उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक जागरण पेज न 01

किसान प्रगति के आधार, कोई नहीं छीन सकता उनकी जमीन : पीएम

चौरी चौरा शताब्दी समारोह में दिलाया भरोसा, कृषि को बनाएंगे लाभदायक व्यापार

बृजेश दुबे • गोरखपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भरोसा दिलाया कि गांवों में गरीबों-किसानों की जमीन और घर कोई नहीं छीन सकता है। देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार हमारा किसान रहा है। किसान आगे बढ़ें, आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए पिछले छह वर्षों में लगातार प्रयास किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने दशकों तक लगभग विस्मृत रहे चौरी चौरा जनप्रतिरोध के शताब्दी महोत्सव का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये शुभारंभ करते हुए उन 19 बलिदानियों को नमन किया, जिन्हें चार फरवरी, 1922 को 23 पुलिसकर्मियों को थाने में जलाकर मारने के आरोप में फांसी की सजा दी गई थी। इस जनप्रतिरोध के कारण महात्मा गांधी को असहयोग आंदोलन स्थगित करना पड़ा था। महोत्सव पूरे उप्र में सालभर चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्वरक्तैः स्वराष्ट्रम रक्षेत' के संदेश के साथ पांच रुपये का डाक टिकट भी जारी किया।

संग्राम में किसानों की बड़ी भूमिका: पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि चौरी चौरा संग्राम में किसानों की बड़ी भूमिका थी। किसानों के लिए सरकार के छह साल के प्रयासों का परिणाम कोरोना काल में देखने को भी मिला। कृषि क्षेत्र सबसे मजबूत होकर उभरा। रिकार्ड उत्पादन कर दिखाया। हम कृषि क्षेत्र को और मजबूत करेंगे। उसे लाभदायक व्यापार बनाएंगे। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत गांव की जमीन व घरों के कागज वहां के लोगों को दिए जा रहे हैं। जब अपनी जमीन और घर के सही कागज होंगे तो उनका मूल्य बढ़ेगा और बैंकों से बहुत आसानी से कर्ज भी मिल जाएगा। इसका बहुत बड़ा लाभ देश के छोटे किसानों और गरीब परिवारों को होगा।

मिलेंगे बजट के फायदे: बजट में ग्रामीण क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 40 हजार करोड़ रुपये देने का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका सीधा लाभ किसानों को होगा। चौड़ी सड़कें मिलेंगी। फसल बेचने के लिए फायदे की मंडियां मिलेंगी। इसके लिए एक हजार और मंडियों को ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार के पोर्टल) से जोड़ा जा रहा है।

टीकाकरण अभियान अद्भुत का विषय: मोदी ने कहा, जिन सामूहिक प्रयासों ने गुलामी की बेड़ियां तोड़ीं, वही भारत को दुनिया में ताकतवर बनाते हैं। इसी ताकत पर कोरोना काल की विपरीत परिस्थिति में वैश्विक परिवार की भलाई के लिए कदम उठाए। 50 लाख से अधिक लोगों को उनके घर पहुंचाया। हजारों विदेशी नागरिकों के लिए उनके देश में सुरक्षित जाने की व्यवस्था की। 150 देशों को वैक्सीन पहुंचाई। आज हमारा टीकाकरण अभियान दुनिया भर के लिए अध्ययन का विषय है।

..उप्र ने चीन को पछाड़ा >> पेज 10

बोले मोदी

- किसानों को आत्मनिर्भर बनाने को छह साल से किए जा रहे हैं प्रयास
- एक हजार और मंडियों को ई-नाम से जोड़ा जा रहा है, मिलेगा लाभ

प्रधानमंत्री ने कहा- गोरक्षनाथ क धरती के प्रणाम करत बाटी

प्रधानमंत्री मोदी ने सबोधन भोजपुरी में शुरू किया। बोले-'भगवान शिव अवतारी गोरक्षनाथ क धरती के प्रणाम करत बाटी। देवरहा बाबा के आशीर्वाद से ई जिला खूब आगे बढ़त बा। आप सबै के नमन करत बाटी।' इस पर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गोरखपुर में चौरी चौरा शताब्दी समारोह का संबोधित किया। इस मौके पर उप्र की राज्यपाल आनंदी बेन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे • एएनआइ

शहीदों को याद किया

- ऐसी कम घटनाएं होंगी, जहां 19 लोगों को फांसी दे दी गई। बाबा राघवदास व मदनमोहन मालवीय जी के प्रयासों ने 150 लोगों को फांसी से बचा लिया।
- चौरी चौरा में जो हुआ, वह सिर्फ आग लगा देने की घटना नहीं थी। वह आग थाने में ही नहीं लगी थी, लोगों के दिलों में भी लगी थी।
- चौरी चौरा के शहीदों को भले इतिहास में प्रमुखता से जगह नहीं दी गई हो, लेकिन इस माटी में मिला उनका खून हमें प्रेरणा देता है।

विपक्ष पर साधा निशाना

- बजट से पहले लोग कह रहे थे कि कोरोना संकट की वजह से सरकार को जनता पर बोझ डालना ही पड़ेगा। कर बढ़ाना पड़ेगा, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया।
- पहले हमारे यहां बजट में यह होता था कि किसके नाम पर कितनी घोषणाएं की गईं। बजट को वोट बैंक का बहीखाता बना दिया गया था।
- पहले की सरकारों ने बजट को ऐसी घोषणाओं का माध्यम बना दिया था, जो पूरी ही नहीं कर पाते थे। अब देश ने वह सोच बदल दी है।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक जागरण (राष्ट्रिय संस्करण) पेज न 01

किसानों की जमीन कोई नहीं छीन सकता : पीएम

रखी बात ▶ चौरी चौरा शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने दिलाया भरोसा

कहा, किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छह साल से किए जा रहे हैं प्रयास

बृजेश दुबे, गोरखपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भरोसा दिलाया कि गांवों में गरीबों-किसानों की जमीन और घर कोई नहीं छीन सकता है। देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार हमारा किसान रहा है। किसान आगे बढ़ें और आत्मनिर्भर बनें इसके लिए पिछले छह सालों में लगातार प्रयास किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने दशकों तक लगभग विस्मृत रहे चौरी चौरा जनप्रतिरोध के शताब्दी महोत्सव का वीडियो कांफ्रेंस के जरिये शुभारंभ करते हुए उन 19 बलिदानियों को नमन किया, जिन्हें चार फरवरी, 1922 को 23 पुलिस कर्मियों को थाने में जला कर मार देने के आरोप में फांसी की सजा दी गई थी। इस जनप्रतिरोध के कारण महात्मा गांधी को असहयोग आंदोलन स्थगित करना पड़ा था। महोत्सव पूरे उत्तर प्रदेश में सालभर चलेगा। पीएम ने 'स्वरक्तैः स्वराष्ट्रम रक्षेत' के संदेश के साथ पांच रुपये का डाक टिकट भी जारी किया।

संग्राम में किसानों की बड़ी भूमिका : नरेंद्र मोदी ने कहा कि चौरी चौरा संग्राम में किसानों की बड़ी भूमिका थी। किसानों के लिए सरकार के छह साल के प्रयासों का परिणाम कोरोना काल में देखने को भी मिला। कृषि क्षेत्र सबसे मजबूत होकर उभरा। रिकार्ड उत्पादन कर दिखाया। हम कृषि क्षेत्र को और मजबूत करेंगे। उसे लाभदायक व्यापार बनाएंगे। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत गांव की जमीनों व घरों के कागज वहां के लोगों को दिए जा रहे हैं। जब अपनी जमीन घर के सही कागज होंगे तो उनका मूल्य बढ़ेगा और बैंकों से बहुत आसानी से कर्ज भी मिल जाएगा। इसका बहुत बड़ा लाभ देश के छोटे किसानों और गरीब परिवारों को होगा।

'गोरक्षनाथ क धरती के प्रणाम करत बाटी' : प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधन भोजपुरी में शुरू किया। बोले-'भगवान शिव अवतारी गोरक्षनाथ क धरती के प्रणाम करत बाटीं। देवरहा बाबा के आशीर्वाद से ई जिला खूब आगे बढ़त बा। आप सबै के नमन करत बाटीं।' इस पर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा।

हम कृषि क्षेत्र को और मजबूत करेंगे, उसे लाभदायक व्यापार बनाएंगे

नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से गोरखपुर में चौरी चौरा शताब्दी समारोह को संबोधित किया। इस मौके पर राज्यपाल आनंदी बेन व सीएम योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे। एएनआइ

गिनाए बजट के फायदे

बजट में ग्रामीण क्षेत्र में ढांचागत के लिए 40 हजार करोड़ रुपये देने का जिक्र करते हुए मोदी ने बताया कि इसका सीधा लाभ किसानों को होगा। चौड़ी सड़कें मिलेंगी। फसल बेचने को फायदे की मंडियां मिलेंगी। इसके लिए एक हजार और मंडियों को राष्ट्रीय कृषि बाजार के पोर्टल से जोड़ा जा रहा है।

टीकाकरण अभियान अध्ययन का विषय

प्रधानमंत्री ने कहा, जिन सामूहिक प्रयासों ने गुलामी की बेड़ियां तोड़ी, वही भारत को दुनिया में ताकतवर बनाते हैं। यह आत्मनिर्भरता का मूल आधार है। इसी ताकत पर कोरोना काल की विपरीत परिस्थिति में वैश्विक परिवार की भलाई के लिए कदम उठाए। 50 लाख से अधिक को उनके घर पहुंचाया। हजारों विदेशी नागरिकों को उनके देश में सुरक्षित जाने की व्यवस्था की। 150 देशों को वैक्सीन पहुंचाई। इससे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को गर्व होगा। आज हमारा टीकाकरण अभियान दुनिया भर के लिए अध्ययन का विषय है।

याद किया शहीदों को

- ऐसी कम घटनाएं होंगी, जहां 19 लोगों को फांसी दे दी गई। बाबा राघवदास और महामना मालवीय जी के प्रयासों ने 153 लोगों को फांसी से बचा लिया।
- चौरी चौरा में जो हुआ वह सिर्फ आग लगा देने की एक घटना नहीं थी। यह देखना भी जरूरी है। वह आग थाने में ही नहीं लगी थी, लोगों के दिलों में भी लगी थी।
- चौरी चौरा के शहीदों को मले इतिहास में प्रमुखता से जगह नहीं दी गई हो, लेकिन इस माटी में मिला उनका खून हमें प्रेरणा देता है।

विपक्ष पर साधा निशाना

- बजट से पहले लोग कह रहे थे कि कोरोना संकट की वजह से सरकार को जनता पर बोझ डालना ही पड़ेगा। कर बढ़ाना पड़ेगा, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया।
- पहले हमारे यहां बजट में यह होता था कि किसके नाम पर कितनी घोषणाएं की गईं। बजट को वोट-बैंक का बही-खाता बना दिया गया था।
- पहले की सरकारों ने बजट को ऐसी घोषणाओं का माध्यम बना दिया था, जो पूरी ही नहीं कर पाते थे। अब देश ने वह सोच बदल दी है।

कृषि सुधारों पर भारत को मिला अमेरिका का साथ पेज>>4

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक अमर उजाला पेज न 01+09

किसानों की जमीन पर नहीं डाल सकेगा कोई गलत निगाह : मोदी

चौरीचौरा शताब्दी समारोह का प्रधानमंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन, डाक टिकट भी जारी किया

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली/गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा, किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पिछले छह साल से सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। किसानों की जमीन पर कोई गलत निगाह न डाल सके, इसलिए स्वामित्व योजना शुरू की गई है।

पीएम मोदी ने चौरीचौरा शताब्दी समारोह के वर्चुअल उद्घाटन में कहा बजट में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी प्रावधान किए गए

हैं। अब मंडियां किसानों के फायदे का बाजार बनेंगी। 1,000 मंडियों को ई-नाम से जोड़ा जाएगा। किसान अपनी फसल अब कहीं भी बेच सकेगा। ग्रामीण इलाकों में भी बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए 40 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस मौके पर उन्होंने एक डाक टिकट भी जारी किया। पीएम ने कहा, महामारी में भी किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन कर पूरे विश्व को संदेश दिया कि हमारा देश कितना मजबूत है। >> सम्मान पाकर भावुक हुए शहीदों के परिजन : पेज 9

■ पहले वोटबैंक का बही-खाता होते थे बजट

पूर्ववर्ती सरकारों में बजट सिर्फ वोट बैंक के हिसाब-किताब का बही-खाता भर था, मगर भाजपा सरकार में यह विकास की राह प्रशस्त करने का प्रतीक है। लंबे समय तक महामारी से लड़ने के बाद भी बजट में आम आदमी पर कर का कोई भार नहीं बढ़ा, बल्कि सरकार ने विकास पर खर्च बढ़ाया है। **-नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

भोजपुरी में किया अभिवादन

मोदी ने भोजपुरी में अभिवादन के साथ अपना संबोधन शुरू किया। जैसे ही उन्होंने कहा-गुरु गोरक्षनाथ की धरती को प्रणाम करत बाड़ी, पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उन्होंने अपने संबोधन में देवरहा बाबा को भी याद किया।

भारत की बढ़ती साख देख शहीदों को भी गर्व होगा

शहीदों को नमन करने के साथ प्रधानमंत्री ने कहा, भारत ने 150 से अधिक देशों को दवाइयां भेजी। विश्व में अपने देश की बढ़ती इस साख को देख शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी गर्व महसूस हो रहा होगा।

आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर

सन् 1857 से लेकर 1947 तक देश के स्वतंत्रता आंदोलन पर शोध को प्रदेश सरकार बढ़ावा देगी। इसकी शुरुआत चौरीचौरा शताब्दी समारोह से की जा रही है। यह कार्यक्रम स्वदेशी और स्वावलंबन की भावना से ओतप्रोत है। इस भाव से ही हम आत्मनिर्भर भारत अभियान की ओर अग्रसर हो रहे हैं। **-योगी आदित्यनाथ,** सीएम, यूपी

सम्मान पाकर भावुक हुए शहीदों के परिजन

चौरीचौरा शताब्दी समारोह में शहीदों के 17 परिजनों को सीएम योगी ने किया सम्मानित, 102 परिवारों को मिला सम्मान

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। चौरीचौरा महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर शहीदों के 17 परिजनों को शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान पाकर परिजन भावुक हो गए। परिजनों ने कहा कि यह हमारा नहीं बल्कि हमारे पुरखों के बलिदान का सम्मान है।

उनकी आंखें नम थी लेकिन मस्तक गर्व से ऊंचा था। हो भी क्यों न, वर्चुअल रूप से जुड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके पुरखों की शहादत को हाथ जोड़कर नमन कर रहे थे। परिजनों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह क्षण हमारे जीवन की धरोहर है। फांसी का फंदा चूमकर हमारे पुरखों ने सौ साल पहले देश को स्वतंत्र कराने में जो योगदान किया था आज पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। सीएम योगी ने कहा कि चौरीचौरा जनाक्रोश के शताब्दी समारोह के तहत 4 फरवरी 2022 तक पूरे प्रदेश में कार्यक्रम होंगे।

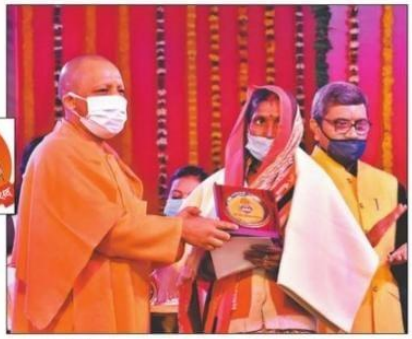

चौरीचौरा की घटना के शताब्दी समारोह में शहीद झिंगनु की पौत्रवधू सावित्री देवी को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समारोह देखने के लिए उमड़े लोग।

बोले परिजन-बलिदानियों को जान सकेगा अब पूरा देश

इस सम्मान के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देता हूं। आज पूरा क्षेत्र हमारे पूर्वजों के सम्मान में खड़ा है। बहुत ही अभिभूत हूं, इससे ज्यादा अब कुछ नहीं बयां कर सकता। **- गुलाब चौरसिया,** मुंडेरा बाजार, शहीद रामरूप के पौत्र

पूर्वज के बलिदान को इस तरह सम्मान मिलने से अभिभूत हूं। सम्मान तो पहले भी मिला लेकिन इस तरह पूरा देश नहीं देख पाया था। अब पूरे देश के लोग पूर्वजों के त्याग के बारे में जान सकेंगे। **- हरिलाल मौर्य,** रामपुर रकबा, शहीद इंद्रजीत के पौत्र)

सुबह से ही गांव में लोग बधाई दे रहे हैं। योगी जी ने सम्मान देकर पूर्वजों के बलिदान को गौरवान्वित किया है। बहुत खुशी हुई कि हम लोगों की सरकार ने सुध ली है। **- सावित्री देवी,** मुंडेरा बाजार, शहीद झिंगनु, की पौत्र वधू

मेरे दादा ने देश के लिए जो बलिदान दिया था उसे सरकार नमन कर रही है, इससे बड़ा सम्मान मेरे लिए कुछ नहीं हो सकता। इस पल के इंतजार में रात भर मैं सो नहीं पाया। **- रामनवल,** रूदलापुर खोराबार, शहीद चमरू के पौत्र

देश के लिए बलिदान देने से बड़ी बात जीवन में कुछ नहीं होती है। खुशी है कि शहादत को पूरा देश नमन कर रहा है। मुख्यमंत्री जी को बहुत धन्यवाद देता हूं कि इस तरह आयोजन किया। **- राम अशीष,** पोखरभिंडा, शहीद करिया प्रसाद के पौत्र

चौरीचौरा के शहीदों के सम्मान में सीएम योगी ने बदली डीपी

लखनऊ। सीएम योगी ने चौरीचौरा जनाक्रोश के शहीदों के सम्मान में अपनी डीपी बदल दी है। बृहस्पतिवार को चौरीचौरा के लोगों को 15 घंटे के लिए सीएम ने अपने कार्यालय के ट्विटर हैंडल की डीपी बनाया है। सीएम ने ट्विटर पर लगी अपनी फोटो वाली डीपी को हटाते हुए आजादी के रणबांकुरों की याद में चौरीचौरा जनाक्रोश के लोगों को डीपी बनाया है। यह पहला मौका है जब शहीदों के सम्मान में किसी सीएम ने अपनी डीपी हटा कर शहादत का लोगो लगाया है। ब्यूरो

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक हिंदुस्तान पेज न 01

प्रधानमंत्री ने कहा- खेती को लाभकारी बनाने के लिए कदम उठा रही सरकार

किसानों को सशक्त बनाने की कोशिश कर रहे : मोदी

संसद से सड़क तक विपक्ष हमलावर, सरकार भी सतर्क

गोरखपुर/नई दिल्ली | हि.ब्यूरो

किसान आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सरकार की ओर से बीते वर्षों में उठाए गए कदम खेती को लाभकारी बनाएंगे और इनसे किसानों को फायदा होगा। उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार कोशिशों में जुटी हुई है। उधर, विपक्ष ने तीसरे दिन भी संसद नहीं चलने दी। इन सबके बीच पुलिस ने लाल किला में हुई हिंसा में खालिस्तानी साजिश के संकेत दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने 'चौरी-चौरा' संग्राम के शताब्दी समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा कि चौरी-चौरा के संग्राम में भी किसानों की बड़ी भूमिका थी। किसान आगे बढ़ें - आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए पिछले छह वर्षों में सरकार ने लगातार प्रयास किए हैं। इसका परिणाम देश ने कोरोना काल में देखा भी है।

बजट का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मंडियां किसानों के फायदे का बाजार बनें, इसके लिए एक हजार और मंडियों को जोड़ा जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 40 हजार करोड़ रुपये देने का ऐलान किया गया है। इन सारे फैसलों से हमारे किसान आत्मनिर्भर बनेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए देश की एकता सबसे पहले और देश का सम्मान सबसे बड़ा है।

› किसान आंदोलन पेज 02
› अलख जगाई पेज 08

नई दिल्ली में गुरुवार को चौरी-चौरा कांड के शताब्दी समारोह का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। • एएनआई

शिकंजा: थनबर्ग का नाम नहीं, 'टूल किट' की जांच

दिल्ली पुलिस ने जांच में पाया है कि गणतंत्र दिवस पर हिंसा से पहले ही टूल किट नाम से एक संदेश सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया, जिसमें पूरी घटना का जिक्र है, इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने यह भी साफ किया कि एफआईआर में स्वीडन की पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग का नाम नहीं है।

सांसत: एनसीआर में भी कल रहेगा चक्का जाम

एनसीआर में भी छह फरवरी को दोपहर 12 से तीन बजे तक चक्का जाम रहेगा। भाकियू ने गुरुवार को कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आए किसान राष्ट्रीय राजमार्गों पर चक्का जाम करेंगे और किसी भी वाहन को गुजरने नहीं देंगे। एक दिन पहले खबर आई थी किसान यहां चक्का जाम नहीं करेंगे।

71 दिन से दिल्ली की सीमाओं पर डटे हजारों किसान

सलाह

केंद्र किसानों का दर्द समझे

संसद में विपक्ष ने सरकार को घेरा और कहा कि केंद्र किसानों का दर्द समझे और कानूनों को वापस ले। सरकार ने कहा कि कानून किसानों के हित में हैं। संसद में गतिरोध तोड़ने के लिए देर रात लोकसभा अध्यक्ष ने दलों संग बैठक की

सियासत

सांसदों को बैरंग लौटना पड़ा

एनसीपी, अकाली समेत दस दलों के 15 सांसदों का समूह किसानों से मिलने गाजीपुर बॉर्डर पहुंचा पर आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें वापस लौटा दिया।

सहानुभूति

प्रियंका किसान के घर पहुंचीं

प्रियंका गांधी ट्रैक्टर रैली में मारे गए किसान के घर रामपुर पहुंचीं और परिवार को मदद का भरोसा दिया।

शाह से मिले डोभाल और पुलिस आयुक्त

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और दिल्ली पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने गुरुवार को गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, इसमें पुलिस आयुक्त ने चक्का जाम के दौरान राजधानी की सुरक्षा तैयारियों की जानकारी दी।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक: 05 फरवरी 2021

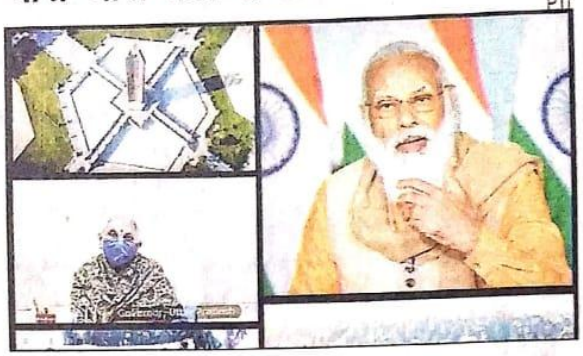

<u>दैनिक नवभारत टाइम्स पेज न 12</u>

'6 साल से किसानों के लिए उठा रहे हैं कदम'

चौरी-चौरा शताब्दी समारोह में बोले PM

PTI

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को शताब्दी समारोह का किया उद्घाटन।

■ एनबीटी, लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि हमारी सरकार किसानों को लगातार सशक्त बनाने की कोशिश कर रही है। पीएम ने यह बातें चौरी-चौरा शताब्दी समारोह का वर्चुअल उद्घाटन करने के बाद कही। उन्होंने कहा, 'चौरी-चौरा के संग्राम में तो किसानों की बहुत बड़ी भूमिका थी। किसान आगे बढ़ें और आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए पिछले छह वर्षों में किसानों के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। हमारा किसान अगर और सशक्त होगा तो कृषि क्षेत्र में प्रगति और तेज होगी।' प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर किसानों का भी जिक्र किया। उन्होंने कोरोना काल में भी रेकॉर्ड पैदावार को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि किसान हमारे देश की लोकतंत्र के रीढ़ हैं। पीएम ने कहा, 'मंडियां किसानों के फायदे का बाजार बनें, इसके लिए 1000 और मंडियों को ई-नाम से जोड़ा जाएगा। वह अपने फसल कहीं भी बेच सकेगा।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लिए इन्फ्राट्रक्चर फंड को बढ़ाकर 40000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसका भी सीधा लाभ किसानों को होगा। ये सब फैसले हमारे किसान को आत्मनिर्भर बनाएंगे, खेती को लाभकर बनाएंगे। मोदी ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में सरकार ने प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के शुरुआत की है। इसके तहत गांवों की जमीनों, गांव के घरों का कागज गांव के लोगों को दिया जा रहा है। जब उनके पास अपनी जमीन और घर के सही कागज होंगे तो उनका मूल्य तो बढ़ेगा ही, साथ ही बैंकों से आसानी से कर्ज भी मिल जाएगा। इसका बहुत बड़ा लाभ देश के छोटे किसानों और गरीब परिवारों को होगा।'

'देश की एकता सबसे बड़ी बात'

■ किसानों के आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश का सम्मान और एकता सबसे बड़ी बात है। उनकी यह टिप्पणी किसानों के प्रदर्शन को लेकर विदेशी हस्तियों के ट्वीट के संदर्भ में देखी जा रही है। उन्होंने कहा, 'हमें यह शपथ लेनी चाहिए कि देश का सम्मान सबसे बड़ी चीज है और इसकी एकता भी। हमें इसी विश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।'

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक हिंदुस्तान पेज न 08

पीएम मोदी ने कहा- इतिहास के पन्नों में भले ही जगह न मिली हो, लेकिन शहीदों का खून इस देश की माटी में मिला है

चौरीचौरा संग्राम ने आजादी की अलख जगाई

शताब्दी समारोह

गोरखपुर | प्रमुख संवाददाता

चौरीचौरा शताब्दी वर्ष के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सौ वर्ष पहले जो हुआ, वो सिर्फ एक थाने में आग लगा देने की घटना नहीं थी। यह आग थाने में नहीं लगी थी, इस आग ने देश के जन-जन में प्रज्वलित होकर आजादी का जज्बा जगा दिया था। चौरी चौरा का संदेश बहुत बड़ा था। दुर्भाग्य है कि इसके शहीदों की उतनी चर्चा नहीं हुई, जितनी होनी चाहिए थी। चौरी चौरा के शहीदों को इतिहास के पन्नों में भले जगह नहीं दी गई। उनका खून देश की माटी में मिला हुआ है।

ऑनलाइन संबोधन में पीएम ने कहा कि आजादी के 75वें वर्ष में ऐसे समारोह का होना इसे और भी प्रासंगिक बना देता है। स्वतंत्रता संग्राम में ऐसी कम ही घटनाएं हुई होंगी, जिसमें किसी एक घटना पर 19 स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया हो।

देश का सम्मान सबसे बड़ा : पीएम ने कहा कि हमारे लिए देश की एकता सबसे पहले, देश का सम्मान सबसे बड़ा है। देश के हर देशवासी को साथ लेकर आगे बढ़ना है। जो यात्रा शुरू की है उसे नए भारत के निर्माण से पूरा करेंगे। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि पूरे साल एक बात न भूलें कि वे चौरी चौरा के क्रांतिकारी देश लिए शहीद हुए थे।

गोरखपुर में गुरुवार को चौरीचौरा शहीद स्मारक पर आयोजित शताब्दी समारोह में शहीदों के परिजनों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ।

वंदे मातरम् गायन के 1.50 लाख वीडियो अपलोड

वंदे मातरम् गायन का वीडियो अपलोड करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए लोगों में भारी उत्साह दिखा। बुधवार सुबह 9 बजे से गुरुवार अपराह्न 12 बजे के बीच डेढ़ लाख लोगों ने वीडियो अपलोड किया जबकि लक्ष्य 50 हजार का था। यह वीडियो वंदे मातरम् का पहला छंद सैल्यूट की मुद्रा में गाते ही बनाकर अपलोड करना था। सीएम योगी ने भी वीडियो अपलोड किया है। यह जानकारी एडीएम वित ने दी।

आंदोलन को दिशा दी थी: योगी

गोरखपुर | मुख्य संवाददाता

चौरीचौरा शताब्दी समारोह में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में स्वदेशी, स्वावलंबन व स्वच्छता का भाव लाना बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि चौरीचौरा शताब्दी समारोह देश को स्वतंत्र कराने वाले हुतात्माओं एवं भारत माता के बलिदानियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करने का समारोह है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा व मार्गदर्शन से समारोह हो रहा है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अगुवाई में 1857 से लेकर 1947 तक स्वाधीनता संग्राम से जुड़े प्रदेश के सभी स्मारकों पर शहीदों के प्रति श्रद्धा निवेदित करने के कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई है। स्मारकों पर पुलिस बैंड की धुन पर राष्ट्रभक्ति के गीतों की प्रस्तुति, गोष्ठी और दीपोत्सव कार्यक्रम होंगे।

आत्मनिर्भरता की ओर कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी और स्वावलंबन के साथ ही हमें स्वच्छता पर भी ध्यान देना है। प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के चलते इंसेफेलाइटिस को नियंत्रित करने में सफल हुए हैं। यह सफलता मिसाल है। आज देश मोदी के मार्गदर्शन में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने लोगों से इसमें जुटने का आह्वान किया।

सौ साल में भी नहीं मिली चौरा और चौरी को पहचान

गोरखपुर | अजय श्रीवास्तव

एक चौरा और दूसरा चौरी। दोनों मिले तो हो गए चौरीचौरा। जंग-ए-आजादी में किसान क्रांति का प्रतीक बना लेकिन सौ साल गुजरने पर भी उस पहचान को तरस रहा है, जिसका वह हकदार है। फिलहाल चौरा नगर बन चुका है जबकि चौरी अभी गांव है। शताब्दी वर्ष ने नई पहचान की उम्मीद जगाई है।

अंग्रेजों के जमाने में चौरीचौरा नाम से रेलवे स्टेशन बना। उसी समय थाना भी खुला जिससे किसानों ने 4 फरवरी 1922 को फूंक दिया था। तहसील भी चौरीचौरा नाम से है। 2012 से विधानसभा सीट भी मिल गई। यह सबकुछ टुकड़ों में हुआ। कभी शासन-प्रशासन में चौरी और चौरा की मुकम्मल पहचान की फिक्र नहीं दिखी। दोनों के बीच का हजार मीटर का फासला 100 साल में भी नहीं भर सका। मुंडेरा बाजार नगर पंचायत में शामिल हो चुका चौरा अब गोरखपुर विकास प्राधिकरण का हिस्सा है जबकि चौरी अभी ग्राम पंचायत है। चौरा के निवर्तमान प्रधान बबलू असलम का कहना है कि टाउन एरिया में शामिल होने से विकास के अधिक अवसर मिलेंगे।

कालापानी की सजा पाने वाले सेनानी डॉ.द्वारिका प्रसाद पांडेय के पुत्र सूर्य प्रकाश पांडेय बताते हैं कि आजादी वाले दिन स्टेशन पर तिरंगा फहराया गया था। उसी समय पहल हो गई होती तो इतना इंतजार न करना पड़ता।

पहचान देने की कोशिश

जिला प्रशासन ने अब मुंडेरा बाजार नगर पंचायत का नाम चौरीचौरा करने का प्रस्ताव अपनी ओर से शासन को भेज दिया है। इतिहास की चूक को भी दुरुस्त करने की कवायद शुरू हुई है।

इंतजार

- एक किमी फासले पर दो गांव हैं चौरी और चौरा, एक नगर पंचायत में तो दूसरा ग्राम पंचायत
- प्रशासन ने मुंडेरा बाजार नगर पंचायत का नाम चौरीचौरा करने का सरकार को भेजा है प्रस्ताव

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक जागरण (एनसीआर संस्करण) पेज न 04

चौरी चौरा शताब्दी समारोह | उद्घाटन अवसर पर सीएम योगी ने कहा-चौरी चौरा के जनाक्रोश ने स्वाधीनता आंदोलन को दी नई दिशा, हुई संघर्ष की शुरुआत

स्वदेशी, स्वावलंबन व स्वच्छता से आत्मनिर्भरता की ओर हों अग्रसर

चौरी चौरा शताब्दी वर्ष महोत्सव में शहीद सेनानियों के वंशजों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि चार फरवरी, 1922 को चौरी चौरा में हुए जनाक्रोश ने न केवल स्वाधीनता आंदोलन की दिशा बदल दी, बल्कि देश को आजाद कराने का अमूल्य संघर्ष भी यहीं से शुरू हुआ। यह शताब्दी समारोह उन हुतात्माओं और बलिदानियों के प्रति श्रद्धा अर्पित करने का अवसर है, जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद यह पहला अवसर है जब पूरे एक वर्ष तक प्रदेश के सभी स्मारक स्थलों पर शहीदों की याद में कार्यक्रम होंगे।

गुरुवार को चौरी चौरा शताब्दी समारोह के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस आयोजन को शुरू करने की प्रेरणा हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली और उन्हीं के मार्गदर्शन में यह समारोह हो रहा है। राज्यपाल को आयोजन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। 1857 से लेकर 1947 तक स्वाधीनता संग्राम से जुड़े सभी स्मारकों, सीमा पर देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले जवानों को श्रद्धा निवेदित करने के कार्यक्रमों की श्रृंखला आज से शुरू होगी। स्मारक स्थलों पर तिथि विशेष को जहां घटना से संबंधित कार्यक्रम होंगे, वहीं अन्य स्थलों पर भी कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन व प्रेरणा से भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। स्वदेशी व स्वावलंबन के साथ ही हमें स्वच्छता पर भी ध्यान देना है। इसका भाव लाना बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राष्ट्रगीत के गायन में उप्र ने दो घंटे में ही चीन को पछाड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अलग-अलग क्षेत्रों में कई रिकार्ड बना चुके उत्तर प्रदेश ने अब दुनिया में राष्ट्रप्रेम का भी ऊंचा झंडा फहरा दिया है। अभियान के रूप में राष्ट्रगीत को गाने के मामले में चीन ने जो रिकार्ड 29 दिन में बनाया था, उसे उत्तर प्रदेश के निवासियों ने महज दो घंटे में ही तोड़ दिया। चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव के मौके पर लोगों ने गिनीज बुक आफ रिकार्ड को वंदे मातरम गायन के वीडियो इतनी तेजी से भेजे कि दो घंटे में ही इनकी संख्या सवा लाख पहुंच गई।

चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव के तहत प्रदेश भर में राष्ट्रभावना को जागृत करने वाले कार्यक्रम किए जा रहे हैं। महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया। अब प्रदेश सरकार वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम शहीद स्मारकों पर कराएगी। इसके साथ ही पर्यटन और संस्कृति विभाग ने मिलकर वंदे मातरम गायन का विश्व रिकार्ड बनाने की रूपरेखा तैयार की। गुरुवार को सुबह नौ बजे से प्रदेश के विभिन्न जिलों में इसके लिए स्कूल, कालेजों के अलावा अन्य केंद्र बनाए गए और नोडल अधिकारी तैनात किए गए। शर्त यह थी कि प्रतिभाग करने वाले को राष्ट्रगीत का पहला छंद सैल्यूट मुद्रा में गाते हुए वीडियो बनवाना है। न्यूनतम दस सेकंड का वीडियो हो, जिसमें एक ही व्यक्ति नजर आए। गुरुवार दोपहर 12 बजे तक यह सिलसिला चला और गायन करने वाले सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिंक पर वीडियो अपलोड करते गए।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि प्रदेश भर से सवा लाख से अधिक वीडियो अपलोड किए गए हैं। अब सिर्फ विश्व रिकार्ड की घोषणा होना बाकी है। उन्होंने बताया कि इस तरह राष्ट्रगीत के गायन का रिकार्ड अभी चीन के नाम है। चीन के गणतंत्र को 70 वर्ष पूरे होने पर दिसंबर 2019 में वहां छात्रों ने 29 दिन तक अभियान चलाकर 10,500 वीडियो अपलोड किए थे।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक अमर उजाला पेज न 09

स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े शोध को बढ़ावा देगी सरकार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सन 1857 से 1947 तक स्वतंत्रता आंदोलन पर शोध को प्रदेश सरकार बढ़ावा देगी। इसकी शुरुआत चौरीचौरा शताब्दी समारोह से हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चौरीचौरा की घटना ने देश की स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी थी। ब्रिटिश हुकूमत ने इस घटना के बाद 228 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के खिलाफ मुकदमा चलाया था जिसमें 225 सेनानियों को विभिन्न प्रकार की सजा दी गई थी। इस वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा और प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में साल भर चलने वाले चौरीचौरा शताब्दी समारोह के आयोजन का निर्णय लिया गया। वर्ष भर विभिन्न विद्यालयों में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी लेखन, पेंटिंग, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि के आयोजन किए जाएंगे। साथ ही स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े साहित्य की प्रदर्शनी, कवि सम्मेलन एवं स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विशिष्ट शोध को बढ़ावा देने का काम सरकार शुरू कर रही है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं

गोविवि में खुलेगा चौरीचौरा स्टडी सेंटर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चौरीचौरा शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत 'जरा याद करो कुर्बानी' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में चौरीचौरा स्टडी सेंटर खोलने की घोषणा की।

The Indian Express Pg No 10

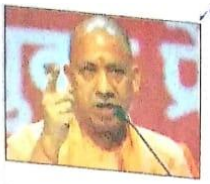

UP CM Yogi Adityanath

UP govt to honour freedom fighters who died between 1857 & 1947: CM

EXPRESS NEWS SERVICE
LUCKNOW, FEBRUARY 4

UTTAR PRADESH Chief Minister Yogi Adityanath on Thursday announced that the state government will organise programmes to honour freedom fighters who died between 1857 and 1947, and the soldiers killed in wars post-Independence.

Launching the centenary celebrations of the Chauri-Chaura incident in Goralchpur, the Chief Minister said that while the police band would play patriotic songs at the memorials, Kavi Gosthi and Deepotsava would also be organised. "On important dates related to Independence Struggle, special events will be organised at the Shaheed Smarak. Debate, painting, essay writing competitions will also be organised in schools," he said.

The Chief Minister also felicitated families of freedom fighters and gave away 100 motorised tri-cycles to people with physical disabilities.

As a tribute to those killed in the Chaura Chauri incident, Adityanath replaced the display picture of his official Twitter handle with the logo of the event. Government officials said that it was for the first time that the CM had removed his photo from his official Twitter handle.

Meanwhile, Prime Minister Narendra Modi released a postal stamp to mark centenary celebrations of Chauri-Chaura incident and said that for many reasons the incident was referred to "as a minor incident of arson, but it was more significant than that".

दैनिक पायनियर पेज न 07+02

चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव पर योगी ने किया दीपदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव के अवसर पर आज शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने शहीदों की पावन स्मृति में शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र चढ़ाकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर अपनी

● शहीदों की पावन स्मृति में शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र चढ़ाकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए

श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने पीएसी बैण्ड द्वारा ऐ मेरे वतन के लोगों जरा याद करो कुर्बानी, है प्रीत जहां की रीत सदा, सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा सहित अन्य देश भक्ति गीतों की धुनों को सुना। इस अवसर पर उन्होंने गोमती तट पर दीपदान-दीप प्रज्वलन भी किया। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, विधान परिषद सदस्य स्वतंत्रदेव सिंह, लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल, सूचना निदेशक शिशिर, मंडलायुक्त लखनऊ रंजन कुमार, जिलाधिकारी लखनऊ अभिषेक प्रकाश उपस्थित थे।

चौरी-चौरा की चिंगारी ने देश में आजादी की अलख जलाई: डॉ. शर्मा

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने गुरुवार को शहीद स्मारक स्थल पर चौरी चौरा घटना के शताब्दी महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि गोरखपुर के चौरी चौरा के जन आंदोलन की चिंगारी ने समूचे देश में आजादी की नई अलख जगा दी थी। चौरी चौरा में राष्ट्र भक्तों ने ब्रिटिश साम्राज्य के प्रतीक थाने को ध्वस्त कर अंग्रेजी शासन को चुनौती देकर इस जन आंदोलन ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि इसे एक घटना के रूप में नहीं बल्कि एक पर्व के रूप में मनाया जाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चौरी चौरा की घटना आकस्मिक थी, जिसमें अंग्रेजी शासनकाल की दमनकारी नीतियों के खिलाफ एक उग्र प्रदर्शन हुआ। इस घटना ने अंग्रेजी शासन प्रणाली को मुंहतोड़ जवाब दिया।

शहीदों को इतिहास में वह सम्मान व स्थान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे: स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने चौरी-चौरा शताब्दी दिवस के अवसर पर लखनऊ में शहीद स्मारक पहुंचकर देश के मान सम्मान की रक्षा के लिए प्राण-न्योछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा चौरी-चौरा की घटना देश के स्वाधीनता के आंदोलन में एक निर्णायक मोड़ थी, जिसने समस्त भारतवासियों के हृदय में स्वाधीनता व सम्मान की एक ऐसी अलख जगाई, जिसकी परिणति आजादी के रूप में हुई। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के लिए बलिदान देने वाले इन शहीदों को इतिहास में वह सम्मान व स्थान नहीं दिया गया जिसके वे हकदार थे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में योगी सरकार ने चौरी-चौरा शताब्दी समारोह के आयोजन की जो शुरुआत की है यह चौरी-चौरा के शहीदों को न केवल उनका यथोचित सम्मान स्थापित करेगा बल्कि देश की वर्तमान व भावी पीढ़ियां भी उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण व देश के विकास में अपना योगदान देगी। राष्ट्रीय एकता अखंडता व देश का सम्मान राजनीति की हर सीमा से ऊपर है। उन्होंने कहा जिस अखंड व विकसित भारत का स्वप्न हमारे शहीदों ने देखा था उन सपनों और आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार पूरे मनोयोग से कार्य कर रही है। गांव, गरीब, किसान, युवा, महिलाओ सहित समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश विकास की मुख्यधारा में स्थापित हुआ है तो पूर्वांचल पिछड़ेपन का दंश पीछे छोड़कर आर्थिक व सामाजिक विकास के नए मानदंडों पर आगे बढ़ रहा है।

चौरी-चौरा घटना के सौ साल पूरे होने पर शताब्दी समारोह का आयोजन

स्वतंत्रता सेनानियों को सांसद ने दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

चौरी-चौरा की घटना के सौ साल पूरे होने पर नोएडा में आयोजित एक शताब्दी समरोह में गौतमबुद्धनगर के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने स्वंतत्रता सेनानियों श्रद्धांजलि अर्पित की।

यहां सेक्टर-37 स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल में आयोजित चौरी-चौरा शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, असंख्य वीर जवानों ने आजादी के लिए अपना वर्तमान देकर हमारे भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया। चौरी-चौरा कांड हमें बताता है कि देश के वीर जवानों में देश के प्रति कितना जुनून था। इस

चौरी-चौरा शताब्दी समारोह में शहीद स्वंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देते सांसद महेश शर्मा।

मौके पर विधायक पंकज सिंह ने कहा कि चौरी-चौरा शताब्दी समारोह उन तमाम शहीदों को नमन करने के लिए मनाया जा रहा है जिन्होंने देश के लिए अपनी कुर्बानी दी।

इतिहास बताता है कि चार फरवरी को स्थानीय लोग चौरी-चौरा कस्बे में, महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए असहयोग आंदोलन के समर्थन में जुलूस निकाल रहे थे तभी स्थानीय पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई।

पुलिस की गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इससे प्रदर्शनकारियों का आक्रोश भड़क गया। तब पुलिस वाले थाने में छिप गए, लेकिन लोगों ने बाहर से कुंडी लगाकर थाने में आग लगा दी। इस घटना में 22 पुलिसकर्मी मारे गए। घटना की प्रतिक्रिया में, अहिंसा के पैरोकार महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक राष्ट्रिय सहारा पेज न 07+08

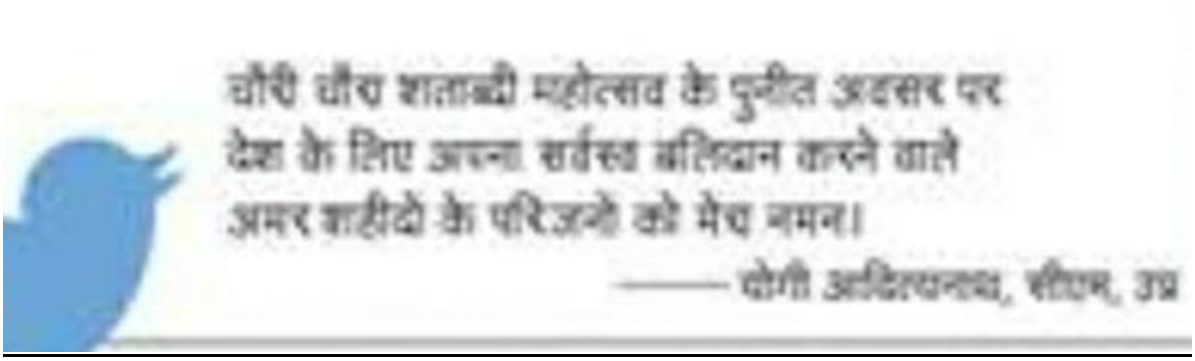

चौरी-चौरा घटना ने आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी

■ लखनऊ/गोरखपुर (एसएनबी)।

■ मुख्यमंत्री ने किया एक वर्ष तक चलने वाले चौरी-चौरा शताब्दी समारोह का शुभारंभ

■ स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता का भाव लाना शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौरी-चौरा शताब्दी समारोह देश को स्वतंत्र कराने वाले हुतात्माओं व बलिदानियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करने का समारोह है। देश के अंदर स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता का भाव लाना बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री वृहस्पतिवार को चौरी-चौरा स्मारक स्थल पर शताब्दी समारोह के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 4 फरवरी 1922 को चौरी-चौरा के जनाक्रोश ने स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा दी थी। चौरीचौरा से देश को आजाद कराने का अमूल्य संघर्ष प्रारंभ हुआ था। पुलिस की गोली से तीन सेनानी शहीद हो गए थे। ब्रिटिश हुकूमत ने 228 पर मुकदमा चलाया था। 19 को मृत्युदंड, 14 को आजीवन कारावास और अन्य को 8, 5 वर्ष के कारागार की सजा हुई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा व मार्गदर्शन से समारोह हो रहा है। 1857 से लेकर 1947 तक स्वाधीनता संग्राम से जुड़े सभी स्मारकों, सीमा पर देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले जवानों के स्मारकों पर आज प्रदेशभर में शहीदों के प्रति श्रद्धा निवेदित करने के कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई है। सभी स्मारकों पर पुलिस बैंड से राष्ट्र भक्ति के कार्यक्रम व दीपोत्सव होंगे। विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन करने और 1857 से लेकर 1947 तक के स्वाधीनता इतिहास साहित्य से जुड़ी प्रदर्शनी के साथ ही विशिष्ट शोध को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी और स्वावलंवन के साथ ही हमें स्वच्छता पर भी ध्यान देना है। सबने देखा है कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के चलते हम इंसेफेलाइटिस को नियंत्रित करने में सफल हुए है। यह सफलता की नई मिसाल है। उन्होंने कहा कि आज भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व उनकी प्रेरणा से तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह कहते हुए शहीदों को नमन किया, 'तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहे ना रहें।' उन्होंने लोंगो से 'स्वरक्तम स्वराष्ट्रे रक्षतं' का भाव जगाने की अपील की। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी वेन पटेल राजभवन लखनऊ से ऑनलाइन जुड़ी।

मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित : चौरीचौरा जनाक्रोश के शताब्दी समारोह के अंतर्गत 4 फरवरी 2022 तक पूरे प्रदेश में कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर मुख्य समारोह स्थल पर चौरीचौरा जनाक्रोश के शहीदों के परिजनों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया। सीएम ने इन सभी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर दिव्यांगजन को मोटर चालित ट्राई साइकिल भी वितरित की। मुख्य समारोह मंच पर आने से पूर्व सीएम ने स्मारक स्थल पर वंदेमातरम के गायन में भी प्रतिभाग किया। इस मौके पर उन्होंने महामना पर बनाये गये वृतचित्र को भी देखा।

दैनिक राष्ट्रिय सहारा पेज न 01

वोट बैंक का बहीखाता होते थे पिछली सरकारों के बजट : मोदी

■ गोरखपुर (एसएनबी)।

■ देश को तरक्की के रास्ते पर लाने को भगीरथ प्रयास किया, इस बजट में भी यह दिखा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021-22 के आम बजट को कोरोना काल में देश के सामने खड़ी चुनौतियों के समाधान को नई तेजी देने वाला करार दिया। उन्होंने वृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने बजट को वोट बैंक के हिसाब-किताब का वहीखाता और कोरी घोषणाओं का माध्यम बना दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने चौरी-चौरा शताब्दी समारोह का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में पिछले दिनों संसद में पेश बजट को देश को तरक्की के रास्ते पर लाने के 'भगीरथ प्रयासों' से जोड़ते हुए कहा, इन भगीरथ प्रयासों की एक झलक हमें इस बार के बजट में भी दिखाई देती है।

बजट में नए कर लगाने की आशंका निर्मूल की : उन्होंने कहा, बजट से पहले कई दिग्गज यह कह रहे थे कि देश ने इतने बड़े संकट का सामना किया है। इसलिए सरकार को कर बढ़ाना ही पड़ेगा। देश के आम नागरिक पर बोझ डालना ही होगा। नए-नए कर लगाने ही पड़ेंगे लेकिन इस बजट में देशवासियों पर कोई बोझ नहीं बढ़ाया गया बल्कि देश को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने ज्यादा से ज्यादा खर्च करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, यह खर्च देश में चौड़ी सड़कें बनाने के लिए होगा। आपके गांव को शहरों, बाजार और मंडियों से जोड़ने के लिए होगा। इस खर्च में पुल बनेंगे, रेल की पटरी बिछाई जाएंगी, नई रेल चलेंगी, नई बसें भी चलाई जाएंगी। पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था अच्छी हो, हमारे युवाओं को ज्यादा अच्छे अवसर मिलें, इसके लिए भी बजट में अनेक फैसले लिए गए हैं।

गांव-कस्बों में बढ़ेगी इलाज की व्यवस्था : मोदी ने कहा, अब देश का प्रयास है कि हर गांव-कस्बे में भी इलाज की ऐसी व्यवस्था हो कि हर छोटी बीमारी के लिए शहर की तरह भागना न पड़े। इतना ही नहीं शहरों में भी अस्पतालों में इलाज कराने में तकलीफ ना हो, इसके लिए भी बड़े फैसले लिए गए हैं। अब सभी जिलों में आधुनिक टेस्टिंग लैब बनाई जाएगी, जिले में ही चेकअप की व्यवस्था होगी।

किसान प्रगति का आधार : प्रधानमंत्री ने किसानों का जिक्र करते हुए कहा, हमारे देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार हमारा किसान भी रहा है। किसान आगे बढ़ें और आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए पिछले छह सालों में किसानों के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं । इसका परिणाम देश ने कोरोना काल में देखा भी है। हमारा किसान अगर और सशक्त होगा तो कृषि क्षेत्र में प्रगति और तेज होगी। इसके लिए कई कदम उठाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक पंजाब केसरी पेज न 01

किसानों की जमीन सुरक्षित

हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाये : मोदी

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गोरखपुर में हो रहे चौरी-चौरा कांड के शताब्दी समारोह की शुरुआत की। इस ऐतिहासिक घटना की याद में उत्तर प्रदेश सरकार यह समारोह मना रही है। इस मौके पर भी पीएम मोदी किसानों का जिक्र करना नहीं भूले। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की के पीछे किसान ही हैं। उन्होंने चौरी-चौरा संघर्ष में भी अहम भूमिका निभाई थी। पीएम ने कहा कि किसानों की जमीन सुरक्षित है और उस पर कोई भी बुरी नजर नहीं डाल पाएगा। मोदी ने कहा कि पिछले छह साल में हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। यही वजह रही कि कोरोना के दौरान भी एग्रीकल्चर सेक्टर में ग्रोथ देखी गई है। उन्होंने कहा कि मंडियों को किसानों के लिए फायदेमंद बनाने के लिए 1,000 और मंडियों को ई-नेम से जोड़ा जाएगा। किसानों के लिए पिछले 7 सालों में बहुत काम किए गए। पीएम मोदी ने कहा कि बजट में किसानों के लिए कई कदम उठाए गए हैं, मंडी में किसानों के फायदे के लिए उसे कहीं भी फसल बेचने की आजादी होगी। सरकार द्वारा लिए गए सभी फैसले किसान के लाभ का आधार बनेंगे। वहीं पीएम ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी जमीन पर किसी की बुरी नजर नहीं पड़ेगी।

सौ साल पहले चौरी-चौरा में जो हुआ वह सिर्फ आग लगा देने की एक घटना नहीं थी। वह आंदोलन बहुत व्यापक था। पहले जब भी इसकी बात हुई उसे आगजनी की घटना के रूप में ही देखा गया। आगजनी क्यों हुई, यह देखना भी जरूरी है। वह आग थाने में ही नहीं लगी थी, लोगों के दिलों में भी लगी थी। चौरी-चौरा में पूरे साल चलने वाले कार्यक्रमों में शहीदों को याद किया जाएगा। देश आजादी की 175वीं वर्षगांठ मना रहा है, ऐसे में यह और प्रासंगिक हो जाता है। चौरी-चौरा के शहीदों को भले इतिहास में प्रमुखता से जगह नहीं दी गई हो, लेकिन इस माटी में मिला उनका खून हमें प्रेरणा देता है। अंग्रेजी हुकूमत तो सैकड़ों स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी देने पर तुली थी।

याद करो जब वोट बैंक का बही खाता होता था बजट

पहले हमारे यहां बजट में यह होता था कि किसके नाम पर कितनी घोषणाएं की गईं। जरा याद करो जब बजट को वोट-बैंक का बही-खाता बना दिया गया था। पहले की सरकारों ने बजट को ऐसी घोषणाओं का माध्यम बना दिया था, जो पूरी ही नहीं कर पाते थे। अब देश ने वह सोच बदल दी है, एप्रोच बदल दी है।

राज्यसभा को सम्बोधित करेंगे प्रधानमंत्री

राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर पीएम मोदी सोमवार को राज्यसभा को सम्बोधित कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान श्री मोदी अपने सम्बोधन में कृषि कानूनों के प्रति विपक्ष की चिंताओं और अन्य सवालों का जवाब विस्तार से दे सकते हैं।

हमारे वैक्सीनेशन प्रोग्राम से दूसरे देशों ने सीखा

आप कल्पना कीजिए, जब कोरोनाकाल में इस देश ने दुनिया के 150 से ज्यादा देशों के लिए दवाएं भेजी हैं। आज भारत खुद कोरोना की वैक्सीन बना रहा है। दुनिया के दूसरे देशों से तेज गति से वैक्सीन लगा रहा है। देश ने कोरोना की लड़ाई जिस तरह लड़ी, उसकी दुनिया में तारीफ हो रही है। हमारे टीकाकरण अभियान से दूसरे देश सीख रहे हैं।

दैनिक नवोदय टाइम्स पेज न 12

वोट बैंक का बहीखाता होते थे पिछली सरकारों के बजट : मोदी

यह बजट चुनौतियों का करेगा समाधान

गोरखपुर, 4 फरवरी (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021-22 के आम बजट को देश के सामने खड़ी चुनौतियों के समाधान को नई तेजी देने वाला करार देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने बजट को वोट बैंक के हिसाब-किताब का बहीखाता और कोरी घोषणाओं का माध्यम बना दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने चौरी-चौरा शताब्दी समारोह का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, 'कोरोना काल में देश के सामने जो चुनौतियां सामने आई उनके समाधान को यह बजट नई तेजी देगा।'

पीएम ने अपनी सरकार द्वारा पिछले दिनों संसद में पेश बजट को देश को तरक्की के रास्ते पर लाने के 'भगीरथ प्रयासों' से जोड़ते हुए कहा, 'इन भगीरथ प्रयासों की एक झलक हमें इस बार के बजट में भी दिखाई देती है। कोरोना काल में देश के सामने जो चुनौतियां आई उनके समाधान को यह बजट नई तेजी देने वाला है। बजट से पहले कई दिग्गज यह कह रहे थे कि देश ने इतने बड़े संकट का सामना किया है इसलिए सरकार को कर बढ़ाना ही पड़ेगा। देश के आम नागरिक पर बोझ डालना ही होगा। नए-नए कर लगाने ही पड़ेंगे लेकिन इस बजट में देशवासियों पर कोई बोझ नहीं बढ़ाया गया बल्कि देश को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने ज्यादा से ज्यादा खर्च करने का फैसला किया।' उन्होंने कहा, 'यह खर्च देश में चौड़ी सड़कें बनाने के लिए हुआ है। यह खर्च आपके गांव को शहरों, बाजार और मंडियों से जोड़ने के लिए होगा। जब सरकार निर्माण पर ज्यादा खर्च करेगी तो देश के लाखों नौजवानों को रोजगार भी मिलेगा, आमदनी के नए रास्ते खुलेंगे।' प्रधानमंत्री ने किसानों का जिक्र करते हुए कहा 'हमारे देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार हमारा किसान भी रहा है। चौरी चौरा के संग्राम में तो किसानों की बहुत बड़ी भूमिका थी। किसान आगे बढ़ें और आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए पिछले छह सालों में किसानों के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं इसका परिणाम देश ने कोरोना काल में देखा भी है।' उन्होंने कहा, 'हमारा किसान अगर और सशक्त होगा तो कृषि क्षेत्र में प्रगति और तेज होगी। इसके लिए इस बजट में कई कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर कहा कि चौरी चौरा की इस घटना ने देश के स्वाधीनता आंदोलन को एक नई दिशा भी दी थी।

गोरखपुर: *चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव में पहुंचे भारी संख्या में लोग तथा (इनसैट) दिल्ली में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते पीएम मोदी।*

दैनिक जनसत्ता पेज न 01+08

किसानों को सशक्त बनाने की कर रहे कोशिश : प्रधानमंत्री

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 फरवरी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चौरी चौरा शताब्दी समारोह की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर डाक टिकट भी जारी किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने बजट में किसी पर भी कोई नया कर नहीं लगाया है। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की में किसानों ने अहम योगदान दिया है। हमारी सरकार ने मंडियों को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लिए बुनियादी ढांचा फंड को बढ़ाया गया है। हमारी सरकार किसानों को सशक्त बनाने की कोशिश कर रही है।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रही।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2021-22 के आम बजट को देश के सामने खड़ी चुनौतियों के समाधान को नई तेजी देने वाला करार देते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने बजट को वोट बैंक के हिसाब-किताब का बहीखाता और कोरी घोषणाओं का माध्यम बना दिया था। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि दशकों से हमारे देश में बजट का मतलब बस इतना ही रह गया था कि किसके नाम पर क्या घोषणा कर दी गई। बजट को वोट बैंक के हिसाब किताब का बहीखाता बना दिया गया था।

चौरी चौरा शताब्दी समारोह की शुरुआत, प्रधानमंत्री ने जारी किया डाक टिकट

2021-22 के आम बजट को देश के सामने खड़ी चुनौतियों के समाधान को नई तेजी देने वाला करार देते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने बजट को वोट बैंक के हिसाब-किताब का बहीखाता और कोरी घोषणाओं का माध्यम बना दिया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने किसानों का जिक्र करते हुए कहा, 'हमारे देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार हमारा किसान भी रहा है। चौरी चौरा के संग्राम में तो किसानों की बहुत बड़ी भूमिका थी। किसान आगे बढ़ें और आत्मनिर्भर बनें, इसके **बाकी पेज 8 पर**

किसानों को सशक्त बनाने की कर रहे कोशिश : प्रधानमंत्री

पेज 1 का बाकी

लिए पिछले छह सालों में किसानों के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं, इसका परिणाम देश ने कोरोना काल में देखा भी है।' उन-होंने कहा, 'हमारा किसान अगर और सशक्त होगा तो कृषि क्षेत्र में प्रगति और तेज होगी। इसके लिए इस बजट में कई कदम उठाए गए हैं। मंडियां किसानों के फायदे का बाजार बनें, इसके लिए 1000 और मंडियों को ई-नाम से जोड़ा जाएगा। यानी मंडी में जब किसान अपनी फसल बेचने जाएगा तो उसे और आसानी हो जाएगी। वह अपने फसल कहीं भी बेच सकेगा। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लिए बुनियादी ढांचा फंड को बढ़ाकर 40000 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसका भी सीधा लाभ किसानों को होगा। ये सब फैसले हमारे किसान को आत्-मनिर्भर बनाएंगे, खेती को लाभकर बनाएंगे।'

उन्होंने कहा कि किसानों को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। मंडियां किसानों के फायदे का बाजार बनें, इसके लिए 1,000 और मंडियों को ई-नाम से जोड़ा जाएगा। महामारी की चुनौतियों के बीच भी हमारा कृषि क्षेत्र मजबूती से आगे बढ़ा है और किसानों ने रेकॉर्ड उत्पादन कर-के दिखाया। हमारा किसान अगर और सशक्त होगा, तो कृषि क्षेत्र की प्रगति और तेज होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'देश का प्रयास है कि हर गांव-कस्बे में भी इलाज की ऐसी व्यवस्था हो कि हर छोटी मोटी बीमारी के लिए शहर की तरह भागना न पड़े। इतना ही नहीं शहरों में भी अस्पतालों में इलाज कराने में तकलीफ ना हो इसके लिए भी बड़े फैसले लिए गए हैं। सभी जिलों में आधुनिक टेस्टिंग लैब बनाई जाएगी, जिले में ही चेकअप की व्यवस्था होगी और इसलिए देश ने बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी पहले से काफी ज्यादा खर्च की व्यवस्था की है।'

दैनिक भास्कर पेज न 01

चौरी-चौरा शताब्दी समारोह में किसानों का जिक्र

मोदी बोले- देश की तरक्की के पीछे किसान, चौरी-चौरा संघर्ष में भी उनकी भूमिका

100 साल की याद में एक डाक टिकट भी जारी

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली/गोरखपुर

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उत्तर प्रदेश में गोरखपुर के पास 'चौरी-चौरा' में हुई घटना को 2022 में 100 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर पूरे साल चलने वाले 'शताब्दी समारोह' गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन शुरुआत की। उन्होंने इस दौरान किसानों का जिक्र किया और कहा, "देश की तरक्की के पीछे किसान ही हैं। उन्होंने चौरी-चौरा संघर्ष में भी अहम भूमिका निभाई थी।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'चौरी-चौरा में जो हुआ, वो सिर्फ एक थाने में आग लगाने की घटना नहीं थी। दुर्भाग्य है कि चौरी-चौरा के शहीदों की जितनी चर्चा होनी चाहिए थी, उतनी नहीं हो पाई। देश आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, ऐसे में यह और प्रासंगिक हो जाता है। देश को कभी चौरा-चौरी की घटना नहीं भूलनी चाहिए।' प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया।

फायदे: सब कह रहे थे टैक्स बढ़ाना होगा, हमने ऐसा नहीं किया

प्रधानमंत्री ने कहा, 'बजट से पहले लोग कह रहे थे कि कोरोना संकट की वजह से सरकार को जनता पर बोझ डालना ही पड़ेगा। कर बढ़ाना पड़ेगा, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया। सरकार ने देश को आगे बढ़ाने के लिए ज्यादा खर्च करने का फैसला लिया है। इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा।' उन्होंने कहा, 'छह साल में हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। यही वजह रही कि कोरोना के दौरान भी कृषि क्षेत्र में बढ़त देखी गई।'

उन्होंने किसानों की आत्मनिर्भरता के लिए उठाए गए कदमों और महामना मालवीय का जिक्र करते हुए इस साल के बजट प्रावधानों के फायदे भी गिनाए।

बता दें कि स्वतंत्रता सेनानियों ने 4 फरवरी 1922 को 'चौरी-चौरा' में एक पुलिस चौकी में आग लगा दी थी। इस घटना में 22 पुलिसकर्मी मारे गए थे।

दैनिक राजस्थान पत्रिका पेज न 01

7 साल में हुए किसानों के लिए काम

पिछले 7 साल में किसानों के लिए बहुत काम किए गए हैं। बजट में भी किसानों के लिए कई कदम उठाए गए हैं। सरकार के सभी फैसले किसान के लाभ के हैं। किसानों की जमीन पर किसी की बुरी नजर नहीं पड़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौरी-चौरा कांड के शताब्दी समारोह में कहा

दैनिक देशबंधु पेज न 01

चौरी चौरा शताब्दी समारोह मे बोले प्रधानमंत्री मोदी

किसानों को पूरी तरह सशक्त बनाएंगे

नई दिल्ली, 4 फरवरी (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चौरी चौरा शताब्दी समारोह की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर डाक टिकट भी जारी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को कभी चौरा चौरी की घटना नहीं भूलनी चाहिए, अमर बलिदानियों ने देश के लिए अपनी जान दी है। उन्होंने कहा कि चौरी चौरा में जो हुआ वो सिर्फ एक थाने में आग लगाने की घटना नहीं थी, इससे एक बड़ा संदेश अंग्रेजी हुकूमत को दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। मंडियां

- देश को चौरा चौरी की घटना नहीं भूलनी चाहिए
- अमर बलिदानियों ने देश के लिए अपनी जान दी

किसानों के फायदे का बाजार बनें, इसके लिए 1,000 और मंडियों को ई-नाम से जोड़ा जाएगा। महामारी की चुनौतियों के बीच भी हमारा कृषि क्षेत्र मजबूती से आगे बढ़ा और किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन करके दिखाया। हमारा किसान अगर और सशक्त होगा, तो कृषि क्षेत्र की प्रगति और तेज होगी। देश की तरक्की में किसानों ने अहम योगदान दिया है। हमारी सरकार ने मंडियों को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर फंड को बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने बजट किसी पर भी कोई नया टैक्स नहीं लगाया है। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की में किसानों ने अहम योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने मंडियों को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर फंड को बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि अब देश का प्रयास है कि हर गांव, कस्बे में भी इलाज की ऐसी व्यवस्था हो कि हर छोटी मोटी बीमारी के लिए शहर की तरफ न भागना पड़े। इतना ही नहीं शहरों में भी इलाज कराने में तकलीफ न हो, इसके लिए भी बड़े फैंसले लिए गए हैं। अब देश का प्रयास है कि हर गांव, कस्बे में भी इलाज की ऐसी व्यवस्था हो कि हर छोटी मोटी बीमारी के लिए शहर की तरफ न भागना पड़े।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक हरिभूमि पेज न 05

पीएम ने कहा- प्रणाम करत बानी... योगी के साथ 50 हजार ने गाया वंदेमातरम्

पीएम चौरी चौरा पर डाक टिकट जारी कर बोले- थाने की आग ने जन-जन में जगाया आजादी का जज्बा

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

पीएम नरेंद्र मोदी ने चौरी चौरा महोत्सव से वर्चुअली जुड़कर चौरी चौरा पर एक डाक टिकट जारी किया। पीएम मोदी ने रिमोट कंट्रोल से टिकट के प्रारूप का अनावरण किया। पीएम ने भोजपुरी में...प्रमाण करत बानीं...कहकर अपने भाषण की शुरुआत कर उन्होंने कहा सौ वर्ष पहले चौरी चौरा में जो हुआ वो सिर्फ एक थाने में आग लगा देने की घटना नहीं थी। यह आग थाने में नहीं लगी थी। देश के जन-जन में प्रज्जवलित हो चुकी थी। आजादी का जज्बा जगा दिया था।

चौरीचौरा का संदेश बहुत बड़ा था। अनेक वजहों से इसे सिर्फ एक आगजनी के स्वरूप में ही देखा गया। दुर्भाग्य है कि चौरी चौरा के शहीदों की इतनी चर्चा नहीं हुई जितनी होनी चाहिए थी, लेकिन यह एक स्वतः स्फूर्त संग्राम था। इतिहास के पन्नों में भले जगह नहीं दी गई।

आजादी के स्वतंत्रता संग्राम में उनका खून देश की माटी में मिला है। चौरी चौरा शताब्दी वर्ष महोत्सव के शुभारंभ के मौके पर सीएम योगी की अगुवाई में 50 हजार लोगों ने एक साथ वंदेमातरम गाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। सीएम योगी समारोह स्थल पर सुबह पौने दस बजे ही पहुंच गए थे। आयोजन समिति की अध्यक्ष और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लखनऊ से वर्चुअली समारोह से जुड़ीं।

सुधार के प्रयासों का किया उल्लेख

तीन कृषि सुधार कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन का जिक्र किए बगैर पीएम मोदी ने देश में खेती और किसानों के लिए किए जा रहे प्रयासों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था का आधार रहा है। चौरी चौरा आंदोलन में भी उनकी बड़ी भूमिका थी। पिछले छह वर्षों से सरकार उनकी स्थिति को बदलने के लिए लगातार प्रयासरत है।

दुनिया की बड़ी संस्थाएं कर रही हैं प्रशंसा

पीएम ने कहा कि देश की तस्वीर बदल रही है। इसका उदाहरण गोरखपुर भी है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर, क्रांतिकारियों की धरती है, लेकिन पहले यहां की हालत बद से बदतर थी। कारखाने बंद थे। सड़कें खस्ताहाल और अस्पताल खुद बीमार थे। अब गोरखपुर खाद कारखाना शुरू हो रहा। एम्स तैयार हो रहा है। मेडिकल कॉलेज और अस्पताल हजारों बच्चों की जान बचा रहे हैं। पिछले कई सालों से इंसेफेलाइटिस बच्चों का जीवन निगल रही थी। सीएम योगी के नेतृत्व में गोरखपुर के लोगों ने जो काम किया उसकी प्रशंसा दुनिया की बड़ी-बड़ी संस्थाएं कर रही हैं।

सीएम ने श्रद्धांजलि दी: सीएम योगी ने निर्धारित समय से पहले पौने दस बजे ही समारोह स्थल पर पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि चार फरवरी 1922 की तारीख भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस चौरी चौरा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी। सीएम योगी की अगुवाई में 50 हजार लोगों ने एक साथ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाकर विश्व रिकार्ड बनाया। सीएम ने दीप प्रज्जवलन कर समारोह स्थल पर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। वह पिछले कई दिनों से समारोह की तैयारियों की खुद निगरानी कर रहे थे।

विधायक संगीता ने सुनाया भोजपुरी गाना

चौरी चौरा की विधायक संगीता यादव ने कहा कि चौरीचौरा को इतिहास के पन्नों में दर्ज करने में कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने भोजपुरी गायक और भाजपा नेता मनोज तिवारी का गाना... अब त करगिल नाहि सारा पाकिस्तान चाहत बा... गाकर लोगों का उत्साह बढ़ाया। प्रभारी मंत्री रमापति शास्त्री, पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी, पिपराइच विधायक महेंद्र पाल सिंह, ग्रामीण विधायक विपिन सिंह, विमलेश पासवान, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डा.धर्मेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता। चौरी चौरा शताब्दी वर्ष महोत्सव के शुभारंभ के लिए जगह-जगह से प्रभात फेरियां निकलीं। सुबह से ही सड़कों पर शहीदों की याद में तराने गूंज रहे थे।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक विराट वैभव पेज न 01+09

चौरी चौरा शताब्दी वर्ष | चौरा चौरा के शहीदों की जितना चर्चा होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई।

चौरी-चौरा के शहीदों को प्रमुखता नहीं दिया जाना दुर्भाग्यपूर्ण : मोदी

वैभव न्यूज ■ गोरखपुर

- आजादी के आंदोलन में संभवतः ऐसे कम ही वाकये होंगे, जब किसी एक घटना पर 19 स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया।
- इस साल जब देश अपनी आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, उस समय ऐसे समारोह का होना इसे और भी प्रासंगिक बना देता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चौरी-चौरा के शहीदों को इतिहास के पन्नों में प्रमुखता नहीं दिए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वह आगजनी की कोई मामूली घटना नहीं थी, बल्कि उसने देश के जन-जन के दिलों में आजादी की अलख जगाई थी। प्रधानमंत्री ने यहां चौरी-चौरा शताब्दी समारोह का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करने के बाद कहा, सौ वर्ष पहले चौरी-चौरा में जो हुआ, वह सिर्फ एक थाने में आग लगा देने की घटना मात्र नहीं थी। चौरी चौरा का संदेश बहुत बड़ा था, बहुत व्यापक था। पहले जब भी चौरी चौरा की बात हुई, तब उसे एक मामूली आगजनी के संदर्भ में ही देखा गया लेकिन आग थाने में नहीं लगी थी, बल्कि आग जन-जन के दिलों में प्रज्ज्वलित हो चुकी थी। उन्होंने कहा, चौरी चौरा देश के सामान्य नागरिक का स्वतः स्फूर्त संग्राम था। यह दुर्भाग्य है कि चौरा चौरा के शहीदों की जितना चर्चा होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई। इन क्रांतिकारियों को इतिहास के पन्नों में भले ही प्रमुखता से जगह ना दी गई हो लेकिन आजादी के लिए उनका खून देश की माटी में जरूर मिला हुआ है, जो हमें हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। मोदी ने कहा कि आजादी के आंदोलन में संभवतः ऐसे कम ही वाकए होंगे, जब किसी एक घटना पर 19 स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया। अंग्रेज हुकूमत तो सैकड़ों स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी देने पर तुली हुई थी, लेकिन बाबा राघव दास और महामना मदन मोहन मालवीय के प्रयासों की वजह से करीब 150 लोगों को फांसी से बचा लिया गया था। इसलिए आज का दिन विशेष रूप से बाबा राघव दास और महामना मालवीय को भी प्रणाम करने और उन्हें याद करने का है। उन्होंने चौरी चौरा शताब्दी वर्ष पर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा पूरे साल कार्यक्रम आयोजित किए जाने के कदम की सराहना करते हुए कहा, आज चौरी चौरा की शताब्दी पर एक डाक टिकट भी जारी किया गया है। आज से शुरू हो रहे यह कार्यक्रम पूरे साल आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान चौरी चौरा के साथ ही हर गांव, हर क्षेत्र के वीर बलिदानियों को भी याद किया जाएगा।

सामूहिकता की यह शक्ति आत्मनिर्भर भारत की ताकत: प्रधानमंत्री

वैभव न्यूज ■ लखनऊ

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सामूहिकता की जिस शक्ति ने गुलामी की बेड़ियों को तोड़ा वही भारत को दुनिया की बड़ी ताकत बनाएगी। सामूहिकता की यह शक्ति, आत्मनिर्भर भारत की ताकत है। देश को आत्मनिर्भर बनाने में सामूहिक भागीदारी बढ़ाने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि देश की एकता और सम्मान सबसे बड़ा है। इसी भावना से प्रत्येक देशवासी को साथ लेकर आगे बढ़ना है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश के विकास की यात्रा एक नये भारत के निर्माण के साथ पूर्ण होगी। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव का शुभारम्भ करने के उपरान्त अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर चौरी चौरा की घटना पर केन्द्रित एक डाक टिकट भी जारी किया। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कार्यक्रम में वर्चअल माध्यम से सम्मिलित हुईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर स्थित चौरी चौरा स्मारक स्थल से इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के साथ जुड़ने के पश्चात संगीत नाटक एकेडमी द्वारा चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव का थीम सॉन्ग 'चौरी चौरा के वीरों ने रचा नया इतिहास' प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के सूचना विभाग द्वारा चौरी चौरा की घटना के सम्बन्ध में तैयार की गयी डॉक्यूमेण्ट्री भी प्रदर्शित की गयी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी/स्टॉल भी लगाये गये। प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 वर्ष पहले चौरी चौरा की घटना का संदेश बहुत बड़ा और व्यापक था। अनेक कारणों से पहले जब इस घटना की बात हुई, इसे आगजनी के रूप में देखा गया। आगजनी किन परिस्थितियों में हुई, वह महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उनकी टीम को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि चौरी चौरा के इतिहास को आज जो स्थान दिया जा रहा है, वह प्रशंसनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव के शुभारम्भ के साथ ही, पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रम होंगे। देश की आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश के समय यह कार्यक्रम अत्यन्त प्रासंगिक है। चौरी चौरा की घटना आम मानवी का स्वतःस्फूर्त संग्राम था। इस संग्राम के शहीदों का बलिदान प्रेरणादायी है। बाबा राघवदास, महामना पं0 मदन मोहन मालवीय का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी कम घटनाएं होंगी, जिसमें 19 स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी दी गयी हो। अंग्रेज सरकार अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी देना चाहती थी, किन्तु बाबा राघवदास, महामना पं0 मदन मोहन मालवीय के प्रयासों से 150 से अधिक लोगों को फांसी से बचा लिया गया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम से युवाओं को जोड़े जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उन्हें इतिहास के अनकहे लोगों की जानकारी मिलेगी।

दैनिक विराट वैभव पेज न 09

स्वतंत्रता आन्दोलन के शहीदों के जीवन आदर्शों से ओतप्रोत : योगी

वैभव न्यूज ■ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौरी चौरा की घटना 04 फरवरी, 1922 को इसी स्थान पर हुई थी। प्रधानमंत्री की प्रेरणा व मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव के आयोजन का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इन्सेफेलाइटिस पर नियंत्रण प्रधानमंत्री द्वारा संचालित स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का उदाहरण है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में स्वच्छता, स्वदेशी व स्वावलम्बन, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मूर्तरूप दे रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव का शुभारम्भ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि चौरी चौरा में आमजन और

पुलिस की गोली से तीन लोग शहीद हुए। ब्रिटिश सरकार द्वारा 228 स्वतंत्रता सेनानियों पर मुकदमा चलाया गया। 225 स्वतंत्रता सेनानियों को सजा हुई। इनमें से 19 को मृत्यु दण्ड, 14 को आजीवन कारावास, 19 को आठ वर्ष का कारावास, 57 को पांच वर्ष का कारावास, 20 को तीन वर्ष का कारावास तथा 03 को दो वर्ष के कारावास की सजा दी गयी। इस घटना को ध्यान में रखकर वर्ष 1857 से वर्ष 1947 के मध्य के सभी शहीद स्मारकों एवं आजादी के बाद विभिन्न युद्धों में शहीद अमर बलिदानियों के शहीद स्थलों पर राज्य सरकार द्वारा वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारम्भ की जा रही है। उन्होंने कहा कि चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव का 'लोगो' 'स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत' अर्थात 'हम अपने रक्त से अपने राष्ट्र की रक्षा करते हैं', स्वतंत्रता आन्दोलन के शहीदों के जीवन आदर्शों से ओतप्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सायंकालीन सत्र में आज सभी शहीद स्मारकों व शहीद स्थलों पर पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रभक्ति के गीतों का कार्यक्रम, कवि गोष्ठी का आयोजन तथा दीपोत्सव का कार्यक्रम होगा।

The Times of india Pg No 01+14

Let's pledge to give priority to unity, says PM

Lucknow: PM Narendra Modi said Thursday farmers have played the most crucial role in the economic development of the country, and in the past six years his government has been taking all steps to make them self-reliant, reports **Pankaj Shah.**

Speaking on the occasion of centenary celebrations of the Chauri Chaura incident, which shook the foundations of the British empire in 1922, the PM said: "Let's take a pledge to give priority to the unity of the country and its respect above everything else."

He said during the pandemic the agriculture sector had emerged stronger and that farmers had ensured a record output. The PM said the agriculture sector would progress faster when the farming community was strengthened.

▶Continued on P 14

In the past, Budgets used for vote-bank politics: Modi

▶Continued from P 1

Addressing the gathering virtually in the Gorakhpur suburbs, Modi said farmers played an important role in the Chauri Chaura incident, which saw peasants participating in the non-cooperation movement clashing with the police after they opened fire on them.

"We have taken several steps in the interests of farmers. To make mandis profitable for farmers, 1,000 more mandis will be linked to e-NAM," the PM said, adding, "Farmers will have the choice to sell their produce as per their choice."

The infrastructure fund for the rural sector has been increased to Rs 40,000 crores in Union Budget, he said, adding, "This will also benefit farmers who will become self-reliant and make agriculture a profitable sector." He said the Swamitva scheme, envisaging documentation of properties, also aimed to help small farmers and the poor.

The PM said the unity of the people, which once broke the shackles of "ghulami (slavery)" during the freedom struggle, will again help the country become an economic superpower through its policy of self-reliance. "The unity of the people is the foundation of Atmanirbhar Bharat," Modi said.

"The souls of the freedom fighters must be feeling proud as India sends corona vaccines to other countries and carves out a special place for itself," he said.

Maintaining that the 2021-22 Union Budget sought to expedite activities in sectors affected by the pandemic, Modi said some people used to claim that the government would impose new taxes to increase revenue. "But no new tax was imposed on people," he said, insisting that the government seeks to spend more to speed up economic progress.

In a veiled attack on the opposition, the PM said that earlier the Union Budget was "used for vote bank politics... The previous government had made the budget a medium to launch schemes in the name of people which never got completed," he said, adding that the approach now had changed.

The Hindustan Times Pg No 08

{ CHAURI CHAURA CENTENARY EVENT }

Govt has empowered farmers: Modi

Rajesh Kumar Singh

rajesh.singh@htlive.com

LUCKNOW: Prime Minister Narendra Modi on Thursday listed out all that his government has done to empower India's farmers in 2021 Budget and in prior years, in another outreach to protestors demanding the repeal of three farm laws aimed at opening up agricultural markets.

The government has decided to connect at least 1,000 *mandis* (agricultural markets) to the eNAM online agricultural trading platform to turn the markets into centres of profit for farmers, the PM said in a speech by video link to mark the centenary of the Chauri Chaura event, a landmark moment in the history of India's freedom struggle.

"Now, when farmers go to *mandis* to sell their produce they will be able to do so with ease at any place across the country," said the PM, who released a stamp to mark the centenary.

Narendra Modi

In addition, Modi noted that the Centre had allocated ₹40,000 crore for the development of rural infrastructure in the budget for financial year 2021-22, which has been described by many economists as a growth-oriented package aimed at boosting the pandemic-ravaged economy.

"Farmers will directly benefit from investment in the infrastructure sector," the PM said. "The decision of the Centre will make farmers *atmanirbhar* (self-reliant). Agriculture will turn into a profitable venture."

February 4 marks 100 years of an event that took place in Chauri Chaura, a village in Gorakhpur district of Uttar Pradesh, known as United Province in British India, when a large group of protesters participating in Mahatma Gandhi's non-cooperation movement clashed with the police, who opened fire. In retaliation, the protestors set fire to a police station. The incident left three civilians and 22 policemen dead. Days later, a saddened Gandhi halted the non-cooperation movement.

Modi's speech came on the 68th day of a protest by thousands of farmers massed on the borders of the national capital demanding the repeal of three contentious laws pushed through by the Bharatiya Janata Party (BJP)-led government.

The laws aim to ease restrictions on trade in farm produce by setting up free markets. Farm unions say the laws will erode their bargaining power, weaken a system of assured prices and make them vulnerable to exploitation by corporate giants.

Uttar Pradesh Congress Committee president Ajay Kumar Lallu said the Prime Minister should also have paid tribute to the 150 farmers who have died in the course of the protest.

"Instead of talking with the farmers, the central government is trying to suppress their movement. It clearly shows the anti-farmer attitude of the central government," Bahujan Samaj Party's general secretary Lalji Verma said.

Samajwadi Party's president Akhilesh Yadav said the BJP should take a lesson from the Chauri Chaura movement, and repeal the three laws.

The Indian Express Pg No 01+02

Prime Minister Narendra Modi addresses the Chauri Chaura centenary celebrations via video conference on Thursday. PTI

PM: Votebank politics in Budgets earlier, we didn't burden people

MAULSHREE SETH
LUCKNOW, FEBRUARY 4

THE UNION Budget did not put any burden on the people, and it was different from Budgets of previous governments which converted the exercise into a "*bahi khaata*" (ledger) of vote bank calculations and a vehicle for making promises that were not fulfilled, Prime Minister Narendra Modi said on Thursday.

The thinking and approach of this government was very different, he said.

"*Budget ke pehle kayi diggaj yeh keh rahe the ki desh ne itne bade sankat ka saamna kiya hai, isliye sarkar ko tax badhaana hi padega, desh ke aam nagrik pe bojh dalna hi hoga... Lekin is Budget mein deshwasiyon par koi bojh nahin badhaaya gaya, balki desh ko tezi se aage badhaane ke liye sarkar ne zyada se zyada kharcha karne ka faisla kiya...* (Before the Budget, many experts were saying that the country has faced such a crisis (due to the pandemic), and the government would have no option but to tax common citizens more... But the Budget did not put any burden on the people of the country, instead the government took the decision to spend as much as possible to take the country

CONTINUED ON PAGE 2

Votebank

ahead speedily...)," the Prime Minister said.

He was speaking by a video link at the inauguration of the centenary year celebrations of the Chauri Chaura incident of February 4, 1922, in Gorakhpur.

"*Dashakon se hamare desh mein Budget ka matlab itna hi ho gaya tha kiske naam par kya ghoshna kar di gayi... Budget ko vote bank ke hisab kitab ka bahi khaata bana diya gaya tha...* (For decades, the Budget had been about making announcements in someone's name. The Budget had been turned into a ledger of votebank calculations)," Modi said.

But things have changed now, he said. "*Ab desh ne woh soch badal di hai, approach badal di hai* (The country has now given up that kind of thinking, it has changed that approach)."

With an agitation against the new farm laws underway at the borders of Delhi for well over two months now, Modi listed the initiatives taken by his government over the past six years to make farmers self-reliant.

Farmers, the PM said, have formed the basis of the country's progress, and even during the pandemic, the farm sector had seen growth and record production.

The Budget would hasten the process of meeting the challenges thrown up by the Covid-19 pandemic, the PM said. India's handling of the crisis had earned it praise worldwide, he said.

Modi praised the efforts of the Uttar Pradesh government to highlight the freedom struggle and the martyrs of Chauri Chaura; these celebrations were significant considering the country is entering the 75th year of Independence, he said.

It was unfortunate that the martyrs of Chauri Chaura were not discussed prominently in history, he said, and asked people to remember the contributions of Baba Raghavdas and Madan Mohan Malviya, who he said saved 150 freedom fighters from being hanged by the British.

"What happened in Chauri Chaura 100 years ago was seen as a simple incident of arson. But its message was very wide... The fire was not only at the police station but in the hearts of Indians as well," the Prime Minister said.

On February 4, 1922, a crowd of peasants set on fire the police station in Chauri Chaura, killing 22 policemen. Gandhi decided to stop the Non-Cooperation Movement, which he saw as having been tainted by the violence. The British hanged 19 people for the attack on the police station.

TRAL RAILWAY
ER NOTICE
nal Electrical
S, East Central
h on behalf of the
la invites "Open" E-
the eligible and
agencies or
E-Tender No. ELS_
3-9 H_20-21_05.
s under : 1. Name
ith its location :
WAG-9 loco in to
ovision of sidewall
ace : Electric Loco
. Approx. Cost of
s.5,63,89,326.41/-
re sixty three lakh
and three hundred
ise forty one only)
y : NIL 4. Date &
ssion of tender &
ender : From
closing of tender at
2/2021 5. Website
Tender document
IREPS website
n. Bidders will be
ir original / revised
ugh this website
rs are not allowed
ler and any such
ceived shall be
board location
details of tender
Notice board of
d, Gomoh.
ectrical Engineer/TRS,
E.C. Rly./ Gomoh
T/T/20-21/48

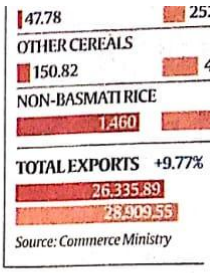

BCCI

much money from to buy these teams, and how are they managing to run their teams," a BCCI official said.

For instance, the base price for buying a team in the T20 Mumbai League is Rs 3 crore. "One owner, who is not a well-known businessman, has bought a team each in two leagues. Not much is known about his financial background. Where is the money coming from to buy two teams? It does not make business sense," the official said while referring to the ACU's concerns.

Since these leagues got going over the last decade, there have been several red flags raised by police and anti-corruption investigators.

Bengaluru Police filed chargesheets against 16 people, including five players and two team owners for their alleged involvement in spot-fixing in the Karnataka Premier League in 2019. The Karnataka State Cricket Association suspended the players and a coach. Police also conducted raids at the house of a state association official.

In the same year, an IPL regu-

The Economic Times Pg No 04

INAUGURATION OF CHAURI CHAURA CENTENARY CELEBRATIONS

Previous Governments Drafted Budget Eyeing Vote Bank: PM

'Meaning of budget was reduced to mere announcements of allotments towards particular depts'

Our Political Bureau

Lucknow: Prime Minister Narendra Modi on Thursday said the Union budget presented a few days ago has taken a different approach from the budgets presented by previous governments which have, for decades, drafted this crucial document keeping an eye on the vote bank.

He was speaking at the inauguration of the year-long centenary celebrations of the Chauri Chaura incident, flagged off across Uttar Pradesh on Thursday.

"For decades, the meaning of the budget had been reduced to mere announcements of allotments towards particular departments. It had become an account for vote bank ...previous governments had made it a means of announcements they could never fulfil. Today, the country has changed this approach, he said.

Modi said before the budget was released, many experts had said that the government may be forced to increase taxes and burden the common people as the country was facing challenging times. No burden has been added, he said adding that the government has decided to spend as much as it can to propel the country forward. He mentioned that the infrastructure fund for rural areas has been hiked to ₹40,000 crore whereas 1,000 modern mandis are being developed, which will benefit farmers.

ANI

The celebrations that began on Thursday will include programmes that will foster the spirit of nationalism among people, including research work being conducted on the subject. These are being held to commemorate the Chauri Chaura incident which took place on February 4, 1922, at Chauri Chaura, in Gorakhpur district of the United Provinces (modern UP) during the Independence struggle, when protesters clashed with the police who opened fire on them. This enraged the crowd which set fire to the police station, killing 22 policemen. Nineteen people were held responsible for the incident, all of whom were hanged. Mahatma Gandhi had to call off the peaceful national non-cooperation movement following this incident.

Modi said t it was rare that 19 people were sent to the gallows together over the same incident and it was "unfortunate" that those who sacrificed their lives were not given their due recognition in the pages of history.

DEVELOPMENT MANTRA

The government has decided to spend as much as it can to propel the country forward, says PM Modi

The Business Standard Pg No 08

Earlier Budgets drafted with eye on vote bank: PM

PRESS TRUST OF INDIA
Gorakhpur (UP), 4 February

Prime Minister Narendra Modi on Thursday said the previous governments drafted Budgets with an eye on their vote banks and made them just a medium for making promises they could not fulfil.

"For decades in our country, the meaning of the Budget was restricted to what announcements were made in whose name. The Budget was turned into an account of the vote bank," Modi said.

The prime minister was launching a year-long commemoration of the centenary of Chauri Chaura incident, an outbreak of violence that forced Mahatma Gandhi to call off his non-cooperation movement against the British.

Paying tributes to the 19 people who were sent to the gallows for burning down a police station and killing 23 policemen, Modi said the Chauri Chaura martyrs had not got the place in history that they deserved.

He released a postage stamp to mark the beginning of the centenary year of the incident. In an address delivered through video conference, Modi hailed India's "power of unity" and said this will help the country become a world power.

The prime minister listed features in his government's recent Budget that he said will help farmers. But he stopped short of mentioning the continuing protest over the agri-marketing laws enacted in September.

"A lot of initiatives have also been taken to empower farmers. Over 1,000 markets were connected with farmers so that they can sell their crops anywhere. Over ₹40,000 crore for rural infrastructure will help farmers," he said.

He said the government is also focusing on creating healthcare facilities in rural areas so that people do not have to go to cities for better treatment.

"MANY VETERANS WERE SAYING THE GOVT WILL HAVE TO RAISE TAXES AND PASS ON THE BURDEN TO THE PEOPLE... DID NOT HAPPEN"

NARENDRA MODI,
Prime minister

Modi said even household make their budgets on the basis on their current needs and future responsibilities. "But our earlier governments made budgets a medium for promises that they could not fulfil. The country has now changed that approach." On the 1922 episode, Modi said, "Whatever happened in Chauri Chaura 100 years ago was seen as a simple incident of arson at a police station." "The fire was not only at the police station but in the hearts of Indians as well," he said.

The PM did not refer to Mahatma Gandhi's decision to call off the non-cooperation movement over the violence by his followers. Modi said the Budget will help meet the Covid challenge. "Many veterans were saying the government will have to raise taxes and pass on the burden to the people," he said, adding that this did not happen.

The Morning Standard Pg No 01

Committed to the empowerment of kisans, says Modi in fresh outreach

₹40,000 crore outlay in Budget to develop rural infra will benefit farmers, assures PM

NAMITA BAJPAI @ Lucknow

CONTINUING his efforts to pacify the agitating farmers, Prime Minister Narendra Modi on Thursday said his government was committed to their empowerment and self-reliance. He was inaugurating the centenary celebrations of the Chauri Chaura incident in UP, where violence shook the British Raj during the freedom struggle.

Releasing a postal stamp to mark the occasion, the PM said that over 1,000 mandis were being connected with the online agriculture trading platform e-NAM. "The mandis will be turned into markets of profit for farmers to sell their produce with ease," he said.

Modi listed several measures taken by the Centre towards making farmers self-dependent in the last six years. He said even during the Covid pandemic, the country's food grain production has soared.

He called upon people to unite in the spirit of freedom struggle to make the growth missions, including Atmanirbhar Bharat Mission, a success. The PM said the Centre was making all efforts to help farmers become *atmanirbhar* (self-reliant) and had allocated ₹40,000 crore for the development of rural infrastructure in the Budget.

"Farmers will directly benefit from investment in the infrastructure sector. Agriculture will turn into a profitable venture for farmers," he asserted.

On the Chauri Chaura incident, the PM said the efforts of the UP government had resulted in changing the scenario in the Gorakhpur region. "Earlier, factories were closed, roads were damaged and hospitals shut. Now, a fertilizer factory has come up, which will benefit farmers and generate jobs."

IT'S NOW A LEDGER ACCOUNT

"The Budget this time has virtually turned into an account book (*bahi-khata*) of income & expenditure," Modi said

The Chauri Chaura incident is significant in India's Independence movement. On February 4, 1922, supporters of the Non-Cooperation Movement clashed with the colonial police, which opened fire. In retaliation, the demonstrators torched the Chauri Chaura police post in Gorakhpur in which 23 personnel were burnt alive.

Elaborating on the Budget, the PM said experts were earlier apprehensive about the possible introduction of new taxs owing to the pandemic and the subsequent economic crisis. "Experts were thinking that the Budget would burden the common man with new taxes. But the Centre ensured that the people are not saddled with additional burden." P4&8

The Pioneer Pg No 05

Previous Govts drafted Budget with eye to vote bank: Modi

PM inaugurates Chauri Chaura centenary celebrations

PTI ■ GORAKHPUR (UP)

Prime Minister Narendra Modi on Thursday said the previous Governments drafted the Union Budgets with an eye on their vote banks and made them just a medium for making promises they could not fulfil.

"For decades in our country, the meaning of the Budget was restricted to what announcements were made in whose name. The Budget was turned into an account of the vote bank," Modi said.

The Prime Minister was launching a year-long commemoration of the centenary of Chauri Chaura incident, an outbreak of violence that forced Mahatma Gandhi to call off his non-cooperation movement against the British.

Paying tributes to the 19 people who were sent to the gallows for burning down a police station and killing 23 policemen, Modi said the Chauri Chaura martyrs had not got the place in history that they deserved.

He released a postage stamp to mark the beginning of the centenary year of the incident.

Prime Minister Narendra Modi during the inauguration of the centenary celebrations of the historic Chauri Chaura incident, via video conferencing in New Delhi on Thursday PTI

In an address delivered through video conference, Modi hailed India's "power of unity" and said this will help the country become a world power.

The prime minister listed features in his government's recent Budget that he said will help farmers. But he stopped short of mentioning the continuing protest over the agri-marketing laws enacted in September.

"A lot of initiatives have also been taken to empower farmers. Over 1,000 markets were connected with farmers so that they can sell their crops anywhere. Over Rs 40,000 crore for rural infrastructure will help farmers," he said.

He said the government is also focusing on creating healthcare facilities in rural areas so that people do not have to go to cities for better treatment. .

Modi said even household make their budgets on the basis on their current needs and future responsibilities. "But our earlier governments made budgets a medium for promises that they could not fulfil. The country has now changed that approach."

On the 1922 episode, Modi said, "Whatever happened in Chauri Chaura 100 years ago was seen as a simple incident of arson at a police station."

"The fire was not only at the police station but in the hearts of Indians as well," he said.

The Asian Age Pg No 01+03

'Chauri Chaura martyrs did not get due place in history'

Previous govts drafted Budget with eye on votebank: PM

Gorakhpur (UP), Feb. 4: Prime Minister Narendra Modi on Thursday said the previous governments drafted the Union budgets with an eye on their vote banks and made them just a medium for making promises they could not fulfil.

For decades in our country, the meaning of the Budget was restricted to what announcements were made in whose name. The Budget was turned into an account of the vote bank, Mr Modi said.

The PM was launching a year-long commemoration of the centenary of Chauri Chaura incident, an outbreak of violence that forced Mahatma Gandhi to call off his non-cooperation movement against the British.

Paying tributes to the 19 people who were sent to the gallows for burning down a police station and killing 23 policemen, Mr Modi said the Chauri Chaura martyrs had not got the place in history that they deserved.

Narendra Modi

He released a postage stamp to mark the beginning of the centenary year of the incident.

In an address delivered through video conference, Mr Modi hailed India's power of unity and said this will help the country become a world power. The Prime Minister listed features in his government's recent Budget that he said will help farmers. But he stopped short of mentioning the continuing protest over the agri-marketing laws enacted in September.

"A lot of initiatives have also been taken to empower farmers. Over 1,000 markets were connected with farmers so that they can sell their crops anywhere. Over Rs 40,000 crore for rural infrastructure will help farmers," he said.

He said the government is also focusing on creating healthcare facilities in rural areas.

Mr Modi said even household make their budgets on the basis on their current needs and future responsibilities. But our earlier governments made budgets a medium for promises that they could not fulfil. The country has now changed that approach. — *PTI*

NATION | 3

Chauri Chaura martyrs didn't get due place in history, says PM Modi

The Stateman Pg No 01

Previous govts drafted Budget with eye on vote bank, says PM

PRESS TRUST OF INDIA
GORAKHPUR (UP), 4 FEBRUARY

Prime Minister Narendra Modi on Thursday said the previous governments drafted the Union Budgets with an eye on their vote banks and made them just a medium for making promises they could not fulfil.

For decades in our country, the meaning of the Budget was restricted to what announcements were made in whose name. The Budget was turned into an account of the vote bank, Modi said.

The Prime Minister was launching a year-long commemoration of the centenary of Chauri Chaura incident, an outbreak of violence that forced Mahatma Gandhi to call off his non-cooperation movement against the British.

Paying tributes to the 19 people who were sent to the gallows for burning down a police station and killing 23 policemen, Modi said the Chauri Chaura martyrs had not got the place in history that they deserved.

He released a postage stamp to mark the beginning of the centenary year of the incident.

In an address delivered through video conference, Modi hailed India's power of unity and said this will help the country become a world power.

The Prime Minister listed features in his government's recent Budget that he said will help farmers. But he stopped short of mentioning the continuing protest over the agri-marketing laws enacted in September.

"A lot of initiatives have also been taken to empower farmers. Over 1,000 markets were connected with farmers so that they can sell their crops anywhere. Over Rs 40,000 crore for rural infrastructure will help farmers," he said.

He said the government is also focusing on creating healthcare facilities in rural areas so that people do not have to go to cities for better treatment.

Modi said even household make their budgets on the basis on their current needs and future responsibilities. But our earlier governments made Budgets a medium for promises that they could not fulfil.

The Tribune Pg No 01+12

Chauri Chaura martyrs not given their due: Modi

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, FEBRUARY 4

The Chauri Chaura incident, which prompted Mahatma Gandhi to call off the Non-Cooperation Movement mid-way, was on Thursday hailed by Prime Minister Narendra Modi as a momentous event which inspired generations of freedom fighters.

Gandhi called off the agitation after violence erupted at Chauri Chaura on February 4, 1922, when a mob, infuriated by the police firing at protesters, set a police station on fire leading to the death of 25 persons, including 22 police personnel.

Gandhi's decision was lauded as a demonstration of his unwavering commitment to the ideal of "Ahimsa".

Modi completely ignored the Father of the Nation as he inaugurated a year-long programme rolled out by the Uttar Pradesh Government to observe the centenary of the Chauri-Chaura incident.

PM opens centenary celebrations, ignores Mahatma Gandhi

The inaugural function, which took place at Gorakhpur in the presence of UP CM Yogi Adityanath, was addressed by Modi through video-conferencing facility from Delhi.

Modi did not mention even in passing the name of Gandhi or his step of calling off the Non-Cooperation Movement following the violent incident in Chauri Chaura. The PM said the "martyrs of Chauri Chaura" had been ignored by those who chronicled the history of our freedom struggle.

The Millenniumpost Pg No 01+05

Unfortunate that Chauri Chaura martyrs were not given due place in pages of history: Modi

GORAKHPUR (UP): Prime Minister Narendra Modi on Thursday said it was "unfortunate" that those who laid down their lives in the Chauri Chaura incident in 1922 were not given due place in the pages of history.

"Whatever happened in Chauri Chaura 100 years ago was seen as a simple incident of arsoning of a police station. Its message was very big and wide. Earlier, whenever there was talk of Chauri Chaura, it was seen in the context of a simple arsoning incident. But the fire was not only at police station but in the hearts of Indians as well," the prime minister said.

He was speaking after inaugurating via video conference the centenary celebrations of the historic Chauri

Chaura incident, a landmark event in the country's fight for Independence.

"Chauri Chaura (incident) was a self-motivated struggle of common people. It is unfortunate that martyrs of this incident were not given prominent place in the pages of history.... I appreciate the team of Chief Minister Adityanath for the year-long celebrations," he said.

The PM said there was few incidents during the freedom struggle wherein 19 freedom fighters were given the capital punishment for one incident.

"At a time when the Britishers were adamant on giving capital punishment, Baba Raghav Das and Pandit Madan Mohan Malviya saved 150 of them from being hanged," Modi said. He said the youth should write research papers and bring new facts to light about this incident.

A group of freedom fighters participating in the non-cooperation movement launched by Mahatma Gandhi in 1922 were fired upon by police, leading to death of many of them. In retaliation, protestors attacked and set fire to the Chauri Chaura police station, killing many of its occupants. Gandhi had called off the movement due to the violence. MPOST

Previous govts drafted Budget with eye on vote bank: PM

GORAKHPUR (UP): Prime Minister Narendra Modi on Thursday said the previous governments drafted the Union budgets with an eye on their vote banks and made them just a medium for making promises they could not fulfil.

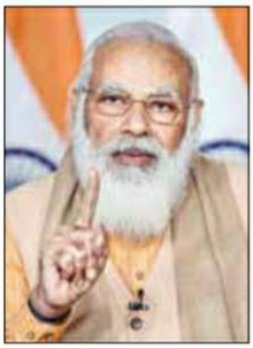

For decades in our country, the meaning of the Budget was restricted to what announcements were made in whose name. The Budget was turned into an account of the vote bank, Modi said.

The prime minister was launching a year-long commemoration of the centenary of Chauri Chaura incident, an outbreak of violence that forced Mahatma Gandhi to call off his non-cooperation movement against the British.

Paying tributes to the 19 people who were sent to the gallows for burning down a police station and killing 23 policemen, Modi said the Chauri Chaura martyrs had not got the place in history that they deserved.

In an address delivered through video conference, Modi hailed India's power of unity and said this will help the country become a world power.

The prime minister listed features in his government's recent Budget that he said will help farmers. But he stopped short of mentioning the continuing protest over the agri-marketing laws enacted in September.

"A lot of initiatives have also been taken to empower farmers. Over 1,000 markets were connected with farmers so that they can sell their crops anywhere. Over Rs 40,000 crore for rural infrastructure will help farmers," he said.

He said the government is also focusing on creating healthcare facilities in rural areas so that people do not have to go to cities for better treatment. MPOST

The Top Story Pg No 05

Previous govts drafted Budget with eye on vote bank: PM

Gorakhpur (UP):

Prime Minister Narendra Modi on Thursday said the previous governments drafted the Union budgets with an eye on their vote banks and made them just a medium for making promises they could not fulfil.

"For decades in our country, the meaning of the Budget was restricted to what announcements were made in whose name. The Budget was turned into an account of the vote bank," Modi said.

The prime minister was launching a year-long commemoration of the centenary of Chauri Chaura incident, an outbreak of violence that forced Mahatma Gandhi to call off his non-cooperation movement against the British.

Paying tributes to the 19 people who were sent to the gallows for burning down a police station and killing 23 policemen, Modi said the Chauri Chaura martyrs had not got the place in history that they deserved.

He released a postage stamp to mark the beginning of the centenary year of the incident.

In an address delivered through video conference, Modi hailed India's "power of unity" and said this will help the country become a world power.

The prime minister listed features in his government's recent Budget that he said will help farmers. But he stopped short of mentioning the continuing protest over the agri-marketing laws enacted in September.

"A lot of initiatives have also been taken to empower farmers. Over 1,000 markets were connected with farmers so that they can sell their crops anywhere. Over Rs 40,000 crore for rural infrastructure will help farmers," he said.

He said the government is also focusing on creating healthcare facilities in rural areas so that people do not have to go to cities for better treatment. .

Modi said even household make their budgets on the basis on their current needs and future responsibilities. "But our earlier governments made budgets a medium for promises that they could not fulfil. The country has now changed that approach."

On the 1922 episode, Modi said, "Whatever happened in Chauri Chaura 100 years ago was seen as a simple incident of arson at a police station."

"The fire was not only at the police station but in the hearts of Indians as well," he said.

The prime minister did not refer to Mahatma Gandhi's decision to call off the non-cooperation movement over the violence by his followers.

> **"For decades in our country, the meaning of the Budget was restricted to what announcements were made in whose name. The Budget was turned into an account of the vote bank," Modi said.**

"Chauri Chaura was a self-motivated struggle of the common people. It is unfortunate that martyrs in this incident were not given a prominent place in the pages of history," he said, appreciating the Uttar Pradesh government's plan to commemorate it.

The prime minister said there were few instances in the history of the independence movement in which as many as 19 freedom fighters were given the capital punishment for one incident.

He said young people should write research papers and bring new facts to light about the incident.

The prime minister said the country's unity broke the barriers of slavery. "This strength will make us a world power and this is the base of "atamanirbharta"."

"We are making vaccines ourselves and supplying them to other countries. The souls of freedom fighters must be feeling proud," he said on the fight against coronavirus.

Modi said the Budget will help meet the coronavirus challenge.

"Many veterans were saying the government will have to raise taxes and pass on the burden to the people," he said, adding that this did not happen.

The Budget focused on spending on roads, schools and railway lines. Spending on infrastructure will lead to jobs for the youth, he added.

He said farmers have achieved record production despite the pandemic.

Highlighting an Uttar Pradesh initiative to provide farmers with ownership papers for their land, Modi said the move will help them get easy bank loans.

Ninety-nine descendants of those involved in the incident are being honoured as part of the Chauri Chaura commemoration, which began Thursday with "prabhat pheris", or morning processions, in all Uttar Pradesh districts.

It will continue till February 4 next year, the centenary of the event.

The Chauri Chaura Shaheed Sthal in Gorakhpur is being spruced up and will be developed on the lines of India Gate, Jallianawala Bagh and Cellular Jail, an official said.

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक पायनियर पेज न 07

अयोध्या के विकास कार्यों की हकीकत को परखेंगे योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या में राम मंदिर तथा अन्य विकास कार्यों की जमीन हकीकत जानने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द अयोध्या जाने की तैयारी में है। अपने अयोध्या दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में कराए जा रहे विकास कार्यों को मौके पर जा कर देखेंगे ताकि सभी विकास कार्य तय समय में पूरे हों।

विदित हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा अयोध्या को विश्व के धार्मिक पर्यटन के नक्शे पर लाने की है। अपनी इसी सपने को पूरा करने के लिये सीएम योगी ने सत्ता की बागडोर संभालने के तुरंत बाद अयोध्या मे दीपोत्सव की परंपरा शुरू की है। इसके अलावा अयोध्या को दुनिया का सबसे खूबसूरत धार्मिक पर्यटन शहर बनाने का कार्य किया जा रहा है। शहर की तमाम सड़कों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। शहर में कारों के लिए मल्टीलेवेल पार्किंग बनाने तथा अयोध्या के बस एवं रेलवे स्टेशन को नया रूप दिया जा रहा है। अयोध्या को सोलर सिटी बनाए जाने की भी तैयारी है। अयोध्या को विश्वस्तरीय मेगा सिटी बनाने के प्लान पर भी कार्य किया जा रहा है। अयोध्या आने वालों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराने के लिए कराए जा रहे इन विकास कार्यों की भौतिक प्रगति जानने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शीघ्र ही अयोध्या जाएंगे। वैसे भी मुख्यमंत्री को मंडलीय समीक्षा से लेकर समय-समय पर अयोध्या के विकास को लेकर होने वाले प्रस्तुतिकरण के जरिए वह सारे कार्यों और योजनाओं पर नजर रखते हैं। सभी को पता है कि अयोध्या को वैश्विक पर्यटन के नक्शे पर और मजबूती से मौजूदगी दर्ज कराने के लिए उनके द्वारा शुरू दीपोत्सव की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रही। सीएम की मंशा अयोध्या के साथ इसके 84 कोसीय परिक्रमा के दायरे में आने वाले सभी धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक स्थलों का जीर्णोद्धार भी शामिल है। इसके तहत 84, 14 और पंचकोसी परिक्रमा में आने वाले सभी ऐसे स्थलों का सुंदरीकरण, परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए जगह जगह छाजन के साथ अन्य बुनयादी सुविधाओं की व्यवस्था, पैदल परिक्रमा करने वालों के लिए कच्चा मार्ग आदि का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। यही नहीं मखौड़ा जैसे प्रमुख स्थलों के विकास के लिए तो अलग से भी कार्ययोजना तैयार की गयी है। मालूम हो कि बस्ती के हर्रैया तहसील स्थित मखौड़ा धाम में राजा दशरथ ने अपने गुरु वशिष्ठ और श्रृंगी ऋषि के मार्गदर्शन में पुत्रकामेष्टि यज्ञ का आयोजन किया था। अलग अलग परिक्रमा मार्गों पर ऐसे और भी कई पौराणिक स्थान हैं जिनका भगवान श्रीराम से संबंध है। ऐसे सभी स्थानों का विकास योगी सरकार के एजेंडे में है। इससे पर्यटन भी बढ़ेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। आने वाले समय में घाट से लेकर सड़क और रेलवे स्टेशन तक का स्वरूप बदल जाएगा। एयरपोर्ट के साथ इसे जोड़ने वाली फोर लेन की सड़कें अलग से होंगी। देश दुनिया से वहां अपने आराध्य के दर्शन करने वालों पर अमिट छाप छोड़ने के लिए भगवान श्रीराम के भव्यतम और दिव्यतम मंदिर, प्रभु श्री राम की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा, वैदिक और आधुनिक सिटी के समन्वित मॉडल के रूप में नव्य अयोध्या के अलावा और भी बहुत कुछ होगा। कुछ काम हो रहे हैं और कई पाइपलाइन में हैं। सरकार अयोध्या के विकास का नया मॉडल तैयार करा रही है। इसके लिए विश्वस्तरीय सलाहकार को नियुक्त करने का फैसला किया गया है। इसके लिए आवास विभाग ने रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी किया है। विश्व स्तरीय सलाहकार द्वारा अयोध्या के विकास का जो मॉडल तैयार किया जाएगा, आवास विभाग उसके आधार पर विकास प्राधिकरण के माध्यम से काम कराएगा। इसके अलावा प्रदेश एवं केंद्र सरकार ने अयोध्या की विकास परियोजनाओं के लिए खजाना खोल रखा है। जिसके तहत अयोध्या आने वाली रेलवे लाइन का दोहरीकरण के साथ भविष्य की जरूरतों के अनुसार रेलवे स्टेशन का सुंदरीकरण और विस्तारीकरण होना है। अयोध्या से सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 330 से एयरपोर्ट तक चार लेन की सड़क का नवनिर्माण होना है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अयोध्या धाम से बाईपास के लिए सोहावल से विक्रमजोत तक का प्रस्ताव बना रहा है। करीब 1500 करोड़ रुपये की लागत से रायबरेली से अयोध्या तक चार लेन की सड़क के चौड़ीकरण का कार्य भी होना है। सरयू की अविरलता और निर्मलता बरकरार रखने के लिए वहां आधुनिकतम सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाएंगे। अयोध्या में कराए जा रहे इन सारे विकास कार्यों की मुख्यमंत्री अयोध्या में समीक्षा करेंगे और मौके पर जाकर उनकी प्रगति को भी देखेंगे।

दैनिक विराट वैभव पेज न 09

नए फायर स्टेशन खोले जाने के प्रयासों में लाएं अधिक तेजी

वैभव न्यूज ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन के क्रम मे प्रदेश की कानून एवं व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाये जाने, अपराध स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण लगाये जाने, पुलिस विभाग के आवासीय तथा अनावासीय भवनो के निर्माण कार्य व आई0जी0आर0एस0 एवं सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इन कार्यो के निष्पादन में और अधिक गति लाने हेतु अपर मुख्य सचिव, गृह ने लोक भवन स्थित कमाण्ड सेण्टर में एक उच्चस्तरीय बैठक की। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने प्रदेश की कानून एवं व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाये जाने, अपराध स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण लगाये जाने, आवासीय तथा अनावासीय भवनो के निर्माण कार्य तथा आई0जी0आर0एस0 एवं सीएम हेल्पलाईन के लम्बित एवं डिफाल्टर प्रकरणों आदि पर की जा रही कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा गृह विभाग के अधिकारियों व कर्मचारीगणों के साथ की। बैठक में बताया गया कि आई0जी0आर0एस0 के कुल 19 हजार 367 प्रकरणों में से 15 हजार 953 प्रकरणों को निस्तारित किया जा चुका है तथा अवशेष प्रकरणों का निस्तारण अतिशीघ्र कर लिया जायेगा। श्री अवस्थी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस एवं सीएम हेल्पलाईन के लम्बित एवं डिफाल्टर प्रकरणों को निस्तारित करने की कार्यवाही प्राथमिकता पर की जाय। अपर मुख्य सचिव, गृह ने अग्नि दुर्घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नए फायर स्टेशन खोले जाने, विवेचना में वैज्ञानिक तथ्यों का अधिकाधिक समावेश किये जाने हेतु फॉरेंसिक विश्वविद्यालय की स्थापना की दिशा में किये जाने वाले प्रयासों में और अधिक तेजी लाये जाने के निर्देश दिये हैं।

64 पेयजल परियोजनाओं की स्थापना से पेयजल सुविधाओं का सृजन

वैभव न्यूज ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने का फैसला लिया है। जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षण सुविधाओं का सृजन, आईटीआई भवनों का निर्माण, पेयजल परियोजनाओं की स्थापना, नवीन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के साथ ही यूनानी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के कार्य कराये जाने की व्यवस्था की गयी है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 47 इंटर कॉलेजों का निर्माण कार्य कराया जा चुका है। इन सभी कॉलेजों में फर्नीचर इत्यादि की व्यवस्था की कार्यवाही की जा रही है। इसी प्रकार कौशल विकास हेतु 13 नवीन आईटीआई भवनों का निर्माण कराया गया। इनके अतिरिक्त 12 आईटीआई का संचालन भी प्रारंभ कर दिया गया है।अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अनुसार 64 पेयजल परियोजनाओं की स्थापना करके पेयजल सुविधाओं का सृजन किया गया।

दैनिक एक्शन इंडिया पेज न 06

ACTION INDIA

प्रशासन को आचार संहिता से बांधना होगा

ललित गर्ग

> "हर स्तर पर दायित्व के साथ आचार संहिता अवश्य हो। दायित्व बंधन अवश्य लायें। निरंकुशता नहीं। आलोचना भी हो। स्वस्थ आलोचना, पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों को जागरूक रखती है। पर जब आलोचक मौन हो जाते हैं और चापलूस मुखर हो जाते है, तब फलित समाज को भुगतना पड़ता है। आज हम अगर दायित्व स्वीकारने वाले समूह के लिए या सामूहिक तौर पर एक संहिता का निर्माण कर सकें, तो निश्चय ही प्रजातांत्रिक ढांचे को कायम रखते हुए एक मजबूत, पारदर्शी, शुद्ध व्यवस्था संचालन की प्रक्रिया बना सकते हैं। हां, तब प्रतिक्रिया व्यक्त करने वालों को मुखर करना पड़ेगा और चापलूसी-लापरवाहों को हताश, ताकि सबसे ऊपर अनुशासन और आचार संहिता स्थापित हो सके"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भले ही प्राथमिकता से सरकारी कामकाज की शैली में पारदर्शिता, तत्परता और ईमानदारी की वकालत की हो, लेकिन आज भी सरकारी कार्यशैली लापरवाह, अनुशासनहीन, भ्रष्ट एवं उदासीन बनी हुई है। आजादी के बहत्तर सालों के बाद भी आम आदमी शासन-तंत्र की उपेक्षा एवं बेपरवाही के कारण अनेक संकटों का सामने करने को विवश है। विवशताएं इतनी अधिक है कि आम आदमी के सामने इनके समाधान का कोई रास्ता नहीं है। एक नागरिक अपनी शिकायत पर ध्यान नहीं दिए जाने की वजह से हताशा के दौर में चला जाता है। ऐसी ही त्रासद, हताश एवं विकराल स्थितियों के बीच उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री कार्यालय के सामने एक व्यक्ति ने इसलिए आग लगाकर जान देने की कोशिश की कि शासन-तंत्र में बैठे संबंधित अधिकारियों ने उसकी शिकायत की अनदेखी की और आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। अफसोसजनक स्थिति है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तमाम सतर्कता, चेतावनी एवं चुस्त प्रशासन की घोषणाओं के बावजूद ऐसी स्थितियां कायम है। एक आम नागरिक प्रशासन की उपेक्षा एवं लापरवाही से इतना परेशान हो जाये कि उसे आत्महत्या के अलावा कोई और रास्ता दिखाई न दे, यह शासन एवं प्रशासन की जवाबदेही पर एक बड़ा घिनौना प्रश्न है। खबर के मुताबिक, कन्नौज जिले के रहने वाले उस व्यक्ति ने ग्राम प्रधान और लेखपाल से इस बात की शिकायत की थी कि उसकी जमीन पर दूसरे व्यक्ति ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। नियमानुसार शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित अधिकारियों को अपनी ड्यूटी के तहत समय पर मामले की जांच करनी चाहिए थी, ताकि न्याय का रास्ता तैयार होता। लेकिन उनके रुख में लगातार अनदेखी ने शिकायतकर्ता को इस हद तक क्षुब्ध एवं पीड़ित कर दिया कि उसे सार्वजनिक रूप से आत्मदाह की कोशिश करके अपनी परेशानी की ओर शीर्ष शासन-प्रशासन का ध्यान खींचने का रास्ता अख्तियार करना पड़ा। शुक्र है कि मुख्यमंत्री कार्यालय के सामने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाई और पीड़ित को नजदीक

के अस्पताल में भर्ती कराया। अगर समय पर यह सक्रियता नहीं दिखाई गई होती तो मामला इस रूप में दर्ज हो जाता कि एक व्यक्ति को शासकीय कामकाज में उपेक्षा एवं लापरवाही की वजह से अपनी जान देनी पड़ी। निश्चित रूप से शिकायत पर कार्रवाई में देरी की वजह से किसी व्यक्ति के इस तरह के कदम उठाने को उचित नहीं ठहराया जा सकता। बात केवल उत्तर प्रदेश की नहीं है, देशभर के तमाम सरकारी कार्यालयों में आम आदमी ऐसी स्थितियों से रू-ब-रू होता है। पीड़ित व्यक्ति की कोशिश यह होनी चाहिए थी कि अगर निचले स्तर के कर्मचारी या अधिकारी उसकी सुनवाई नहीं कर रहे थे तो वह उनके उच्चाधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाने का रास्ता चुनता। लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि समूचे शासन तंत्र में निचले से लेकर ऊपरी स्तर की जटिल संरचना में एक आम नागरिक अगर कोई शिकायत लेकर पहुंचता है तो वह टालमटोल या फिर संबंधित कर्मचारी या अधिकारी की उदासीनता की वजह से अक्सर हार जाता है, टूट जाता है। कई बार भ्रष्टाचार की वजह से भी ऐसी परिस्थिति सामने आती है। यह स्थिति किसी भी सरकार और उसके तंत्र के लिए एक बड़ी विडम्बना है कि जो व्यवस्था आम लोगों को सुविधा मुहैया कराने और उनकी शिकायतों पर गौर करके उसका निपटारा करने के लिए बनायी गई है, उसी की वजह से किसी को हताश होकर आत्मदाह की कोशिश जैसा अतिवादी कदम उठाना पड़ रहा है।

उत्तरप्रदेश ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में इससे पहले भी शिकायत पर सुनवाई नहीं होने की वजह से कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं। सवाल है कि अगर राज्य सरकार और उसके संबंधित महकमे अपने कामकाज में सुशासन, पारदर्शिता और समय पर दायित्व पूरा करने के साथ जनता को आश्वस्त करते हैं, तो किसी नागरिक के सामने अपनी शिकायतें नहीं सुने जाने की वजह से जान देने या इसकी कोशिश करने की नौबत क्यों आती हैं?

हर स्तर पर नियंत्रण नहीं होकर सर्वोपरि नियंत्रण होना चाहिए। हर स्तर पर नियंत्रण रखने से, सारी शक्ति नियंत्रण को नियंत्रित करने में ही लग जाती है। नियंत्रण और अनुशासन में फर्क है। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि स्तर पर आदर्श स्थिति हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और वास्तविक रूप में रहेगा मात्र ऊपरी तौर पर नहीं। अधिकार किसी के कम नहीं हों। स्वतंत्रता किसी को प्रभावित नहीं हो। पर इनकी उपयोग में भी सीमा, समयावधि और संयम हो। कानूनी व्यवस्था में गलती करने पर दण्ड का प्रावधान है, लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था में कोई दण्ड का प्रावधान नहीं है। यही कारण है कि किसी एक व्यक्ति को संपूर्ण अधिकार देने में हिचकिचाहट रहती है।

हर स्तर पर दायित्व के साथ आचार संहिता अवश्य हो। दायित्व बंधन अवश्य लायें। निरंकुशता नहीं। आलोचना भी हो। स्वस्थ आलोचना, पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों को जागरूक रखती है। पर जब आलोचक मौन हो जाते हैं और चापलूस मुखर हो जाते है, तब फलित समाज को भुगतना पड़ता है।

आज हम अगर दायित्व स्वीकारने वाले समूह के लिए या सामूहिक तौर पर एक संहिता का निर्माण कर सकें, तो निश्चय ही प्रजातांत्रिक ढांचे को कायम रखते हुए एक मजबूत, पारदर्शी, शुद्ध व्यवस्था संचालन की प्रक्रिया बना सकते हैं। हां, तब प्रतिक्रिया व्यक्त करने वालों को मुखर करना पड़ेगा और चापलूसों-लापरवाहों को हताश, ताकि सबसे ऊपर अनुशासन और आचार संहिता स्थापित हो सके अन्यथा अगर आदर्श ऊपर से नहीं आया तो क्रांति नीचे से होगी। जो व्यवस्था अनुशासन आधारित संहिता से नहीं बंधती, वह विघटन की सीढ़ियों से नीचे उतर जाती है। काम कम हो, माफ किया जा सकता है, पर आचारहीनता एवं गैरजिम्मेदारी तो सोची समझी गलती है- उसे माफ नहीं किया जा सकता। हिसिस्टमहू की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं प्रशासन का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं सामाजिक चरित्र निर्माण के लिए प्रशासन से जुड़े कर्मचारियों एवं अधिकारियों को आचार संहिता से बांधना ही होगा, अन्यथा भोले-भाले जनता आत्महत्या को विवश होती रहेगी। दो राहगीर एक बार एक दिशा की ओर जा रहे थे। एक ने पगडंडी को अपना माध्यम बनाया, दूसरे ने बीहड़, उबड़-खाबड़ रास्ता चुना। जब दोनों लक्ष्य तक पहुंचे तो पहला मुस्कुरा रहा था और दूसरा दर्द से कराह रहा था, लहुलुहान था। हमारा प्रशासनिक ढांचा राजमार्ग बने, उबड़-खाबड़ बीहड़ नहीं। शासन-प्रशासन को जवाबदेही तो लेनी ही होगी। किसी काम या शिकायत के निपटारे के लिए एक निर्धारित अवधि एवं न्यूनतम प्रक्रिया होनी चाहिए। सरकार अगर खुद को जनता के प्रति जिम्मेदार मानती है तो उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन-तंत्र में आम लोगों की शिकायतों का निपटारा या जरूरत के काम समय पर पूरे हों। शासकीय कामकाज में टालमटोल, उदासीनता या भ्रष्टाचार सरकार में जनता का भरोसा कमजोर करते हैं। शासन-प्रशासन से जुड़ी शक्तियां अपने कामकाज की शैली में पारदर्शिता, त्वरता एवं ईमानदारी के कोरे दावे ही नहीं करें, बल्कि प्रक्रिया भी प्रस्तुत करें।

दैनिक पायनियर पेज न 07

एयरो इंडिया में यूपी डिफेंस कॉरिडोर के स्टाल का रक्षा मंत्री ने किया निरीक्षण

● डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से विदेशी निवेशक होंगे आकर्षितः राजनाथ

● यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की आधिकारिक माइक्रो वेबसाइट का शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बैंगलुरू शहर में आयोजित होने वाले एयरो इण्डिया-2021 में यूपीडा द्वारा भी प्रतिभाग किया जा रहा है। इस अवसर पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यूपीडा द्वारा स्थापित यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के स्टाल का निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वास जताया कि उप्र डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के माध्यम से विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने में मदद

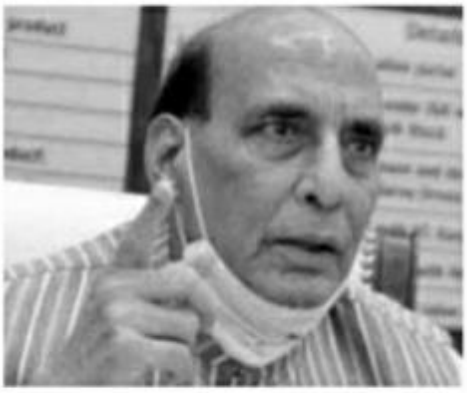

मिलेगी जिससे प्रदेश में रक्षा क्षेत्र को लेकर निवेश के नये द्वार खुलेंगे।

औद्योगिक विकास मंत्री श्री सतीश महाना ने एयरो इंडिया-2021 के दौरान यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के स्टाल का उद्घाटन के बाद यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की आधिकारिक माइक्रो वेबसाइट का भी शुभारम्भ किया। यह वेबसाइट निवेशकों को कॉरिडोर की सभी नवीनतम नीतियों और अपडेट्स जैसे कि भूमि की उपलब्धता, नोड्स पर मौजूदा बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के बारे में जानकारी प्रदान करेगी। यह वेबसाइट निवेशकों को निवेश के लिए नोड के चयन में उपयुक्त निर्णय लेने में सहायता करेगी। इसके साथ ही उन निवेशकों के बारे में जानकारी साझा करेगी जो यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा हैं। यह वेबसाइट राज्य व केन्द्र सरकार की अन्य वेबसाइटों से भी जुड़ी हुई है। महाना ने एयरो इंडिया-2021 शो में आने वाली कई विदेशी कम्पनियों हनीवेल, यूक्रेन और बेलारूस के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उत्तर प्रदेश राज्य में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में निवेश को लेकर तथा निवेशकों को राज्य में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने विभिन्न उद्यमियों, स्टार्टअप्स, एमएसएमई और बड़ी कंपनियों के व्यापार उन्मुख दृष्टि का समर्थन करने वाली मजबूत नीतियों पर प्रकाश डाला।

दैनिक विराट वैभव पेज न 09

प्रदेश में 90 लाख से अधिक एमएसएमई कार्यरत

वैभव न्यूज ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि प्रदेश में कोरोना का संक्रमण कम हुआ है। मुख्यमंत्री के निर्देशों में प्रदेश सरकार के कोविड संक्रमण को नियंत्रित करने की कार्ययोजना कारगर सिद्ध हो रही है। प्रदेश में सर्विलांस का नया प्रयोग कर प्रत्येक परिवार तक पहुंच कर उनका हालचाल लेते हुए कोविड संक्रमण की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 2.83 करोड़ से अधिक कोविड-19 के टेस्ट तथा 15.26 करोड़ से अधिक व्यक्तियों से सम्पर्क कर कोविड संक्रमण की जानकारी ली गयी है। सर्विलांस अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की 24 करोड जनसंख्या में से लगभग 18 करोड़ से अधिक लोगों तक सरकारी मशीनरी ने पहुंचकर हालचाल जाना गया है। टेस्ट की संख्या में कमी न करते हुए लगातार 01 लाख से ऊपर की जा रही है। देश में सबसे अधिक उत्तर प्रदेश में कोविड वैक्सीनेशन का टीकाकरण किया गया है। श्री सहगल ने बताया कि संक्रमण कम होने से औद्योगिक गतिविधियां तेजी से सामान्य हो रही हैं। प्रदेश में 90 लाख से अधिक एमएसएमई कार्यरत है।

दैनिक जागरण पेज न 10

राष्ट्रगीत के गायन में उप्र ने चीन को पछाड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अलग- अलग क्षेत्रों में कई रिकार्ड बना चुके उत्तर प्रदेश ने अब दुनिया में राष्ट्रप्रेम का भी ऊंचा झंडा फहरा दिया है। अभियान के रूप में राष्ट्रगीत गाने के मामले में चीन ने जो रिकार्ड 29 दिन में बनाया था, उसे उत्तर प्रदेश के निवासियों ने महज दो घंटे में ही तोड़ दिया। चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव के मौके पर लोगों ने गिनीज बुक आफ रिकार्ड को वंदे मातरम गायन के वीडियो इतनी तेजी से भेजे कि दो घंटे में ही इनकी संख्या सवा लाख पहुंच गई।

चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव के तहत प्रदेश भर में राष्ट्रभावना को जागृत करने वाले कार्यक्रम किए जा रहे हैं। महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को पीएम मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया। अब प्रदेश सरकार वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम शहीद स्मारकों पर कराएगी। इसके साथ ही पर्यटन और संस्कृति विभाग ने मिलकर वंदे मातरम गायन का विश्व रिकार्ड बनाने की रूपरेखा तैयार की। गुरुवार को सुबह नौ बजे से प्रदेश के स्कूल, कॉलेजों के अलावा अन्य केंद्र बनाए गए और नोडल अधिकारी तैनात किए गए। शर्त यह थी कि प्रतिभाग करने वाले को राष्ट्रगीत का पहला छंद सैल्यूट मुद्रा में गाते हुए वीडियो बनवाना है। न्यूनतम दस सेकंड का वीडियो हो, जिसमें एक ही व्यक्ति नजर आए। गुरुवार दोपहर 12 बजे तक यह सिलसिला चला और गायन करने वाले सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिंक पर वीडियो अपलोड करते गए। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि प्रदेश भर से सवा लाख से अधिक वीडियो अपलोड किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह राष्ट्रगीत के गायन का रिकॉर्ड अभी चीन के नाम है। चीन के गणतंत्र को 70 वर्ष पूरे होने पर दिसंबर, 2019 में वहां छात्रों ने 29 दिन तक अभियान चलाकर 10,500 वीडियो अपलोड किए थे। इस रिकार्ड को उत्तर प्रदेश ने महज दो घंटे में ही तोड़ दिया।

दैनिक राजस्थान पत्रिका पेज न 01

'वंदेमातरम' से चीन का टूटा रिकॉर्ड, गिनीज बुक में दर्ज

चौरी-चौरा के शताब्दी वर्ष पर पीएम ने जारी किया डाक टिकट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गोरखपुर. चौरी-चौरा के शताब्दी वर्ष महोत्सव का गुरुवार को आगाज हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल तरीके से समारोह में शामिल होकर चौरी चौरा आंदोलन पर रिमोट कंट्रोल से डाक टिकट के प्रारूप का अनावरण किया व चौरी-चौरा के शहीदों को याद कर उन्हें नमन किया।

उन्होंने कहा कि चौरी-चौरा के ऐतिहासिक संग्राम को आज देश के इतिहास में जो स्थान दिया जा रहा है, इसके लिए जो प्रयास किया जा रहा है, वह प्रशंसनीय है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि चौरी-चौरा के शहीदों को अभी तक समुचित सम्मान नहीं मिला है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदि%ाथ की अगुवाई में चौरी चौरा शताब्दी वर्ष महोत्सव के शुभारंभ के मौके पर 50 हजार लोगों ने एक साथ 'वंदे मातरम्' गाया, तो वहीं डेढ़ लाख से अधिक लोगों ने एक साथ वंदे मातरम् गायन के वीडियो अपलोड कर चीन को पछाड़ते हुए गिनीज बुक में नया रिकॉर्ड दर्ज करा दिया। चीन के बीजिंग ने 25 दिसंबर 2019 को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की 70वीं वर्षगांठ पर सैल्यूट करते हुए 10,369 वीडियो अपलोड करने का रिकॉर्ड बनाया था। चौरी चौरा शताब्दी वर्ष का कार्यक्रम यूपी के सभी 75 जिलों में आयोजित किया गया। वहीं इस घटना की स्मृति में अलग-अलग कार्यक्रम पूरे वर्ष आयोजित होंगे और 4 फरवरी 2022 को यह समाप्त होंगे। इसके तहत कई तरह की प्रतियोगिताएँभी आयोजित की जाएंगी।

उस रात जो आग लगी वह जन-जन के दिलों में प्रज्वलित हो चुकी थी- पीएम: पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत भोजपुरी में "प्रमाण करत बानीं" कहकर की। उन्होंने कहा कि 100 वर्ष पूर्व जो हुआ, वो सिर्फ एक थाने में आग लगा देने तक सीमित नहीं था बल्कि चौरी चौरा का संदेश बहुत व्यापक था। उस रात आग थाने में नहीं, जन-जन के दिलों में प्रज्वलित हो चुकी थी। चौरी चौरा क्रांति से जुड़े लोग अलग-अलग गांवों व पृष्ठभूमि के थे, लेकिन मिलकर वे सभी मां भारती की संतान थे। स्वतंत्रता संग्राम में ऐसी कम ही घटनाएं हुई होंगी, जिसमें 19 स्वतंत्रता सेनानियों को एक साथ फांसी के फंदे पर लटका दिया गया

सामूहिकता की शक्ति आत्मनिर्भर भारत अभियान का मूलभूत आधार: उन्होंने कहा कि देश अपनी आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। ऐसे समय में यह समारोह और भी प्रासंगिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चौरी चौरा शताब्दी के इन कार्यक्रमों को लोकल कला, संस्कृति व आत्मनिर्भरता से जोड़ने का प्रयास किया गया है। जो हमारी स्वतंत्रता सेनानियों को एक श्रद्धांजलि होगी। सामूहिकता की जिस शक्ति ने गुलामी की बेड़ियों को तोड़ा था, वही शक्ति भारत को दुनिया की बड़ी ताकत भी बनाएगी। पीएम ने कहा कि सामूहिकता की यही शक्ति आत्मनिर्भर भारत अभियान का मूलभूत आधार है।

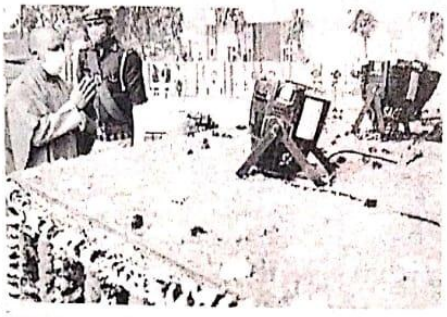

चौरी चौरा से स्वाधीनता आंदोलन को मिली थी नई दिशा : सीएम योगी

चौरी-चौरा शताब्दी समारोह के अवसर पर सीएम योगी ने गृह जनपद गोरखपुर में शहीद स्मारक पर माला अर्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शताब्दी समारोह शहीदों के प्रति श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करने का माध्यम है। 4 फरवरी 1922 की घटना ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी थी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि स्वाधीनता संघर्ष में यहां पुलिस व स्थानीय जनता के बीच संघर्ष में पुलिस की गोली से स्वाधीनता के लिए संघर्ष करने वाले 3 सेनानी शहीद हुए थे। उसके बाद 228 पर ब्रिटिश हुकुमत ने मुकदमा चलाया था, जिनमें 225 को सजा दी गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1857 से स्वतंत्रता प्राप्ति तक एवं उसके बाद देश की रक्षा में शहीद होने वाले जवानों के सम्मान में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हर स्मारक पर पुलिस बैंड, दीपोत्सव व राष्ट्रभक्ति गीतों के गायन का आयोजन होगा। विद्यालयों में तरह-तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। चौरीचौरा पर विशिष्ट शोध को बढ़ावा देने का कार्यक्रम भी शुरू हुआ है।

नाम ही नहीं तारीख भी बदलेगी, हटाया जाएगा 'कांड' शब्द

पांच की जगह चार फरवरी दर्ज होगी तारीखचौरी-चौरा की घटना में 'कांड' शब्द हटेगा, साथ ही इसकी तारीख भी बदलेगी या यूं कहें कि सही की जाएगी। दस्तावेजों में इसके बदलाव को लेकर तैयारी हो चुकी है। इंडियन काउंसिल आफ हिस्टोरिकल रिसर्च (आइसीएचआर) ने इस बदलाव की प्रि या शुरू कर दी है। दरअसल इतिहासकारों के हिसाब से चौरी चौरा के साथ 'कांड' शब्द पूरे तरह से नकारात्मक है। बल्कि चौरी चौरा प्रकरण का लक्ष्य सकारात्मक था। इतिहासकारों का एक और तर्क है। वह यह कि कांड में पराधीनता के खिलाफ अराजकता का भाव निहित है। ऐसे में अब चौरी चेरी के साथ 'कांड' शब्द की जगह 'स्व का जागरण', 'सर्वजन का आर ोश', 'प्रतिरोध', 'भारतीय जनमानस की प्रतिरि या' 'जलियांवाला कांड का प्रतिउत्तर' जैसे शब्दों का प्रयोग करना होगा। ऐसा ही तारीख में भी बदलाव होगा। बताया जा रहा है कि किताबों में इस घटना की तारीख 5 फरवरी अंकित है, जबकि 4 फरवरी की शाम चार बजे यह घटना घटित हुई थी। इसका प्रशासनिक रिकार्ड के साथ-साथ उस समय छपने वाले प्रमुख अखबार 'लीडर' में भी जिर है। ऐसे में किताबों में अब तक इस प्रकरण की तारीख गलत बताई जाती रही है।

दैनिक अमर उजाला पेज न 07

एक्वा लाइन पर 8 से शुरू होगी फास्ट मेट्रो ट्रेन की सुविधा

नोएडा। एक्वा लाइन पर 8 फरवरी से फास्ट मेट्रो ट्रेन की सुविधा शुरू हो जाएगी। सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 8 से 11 बजे और शाम 5 से 8 बजे के बीच यात्री नोएडा से ग्रेनो के बीच सफर तय कर सकेंगे। ऐसे 10 स्टेशनों पर मेट्रो नहीं रुकेगी, जहां सवारियां कम होती हैं। शनिवार व रविवार को मेट्रो सेवा सामान्य तरह से जारी रहेगी।

नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) की एक्वा लाइन के 11 स्टेशनों पर फास्ट मेट्रो ट्रेन में यात्री सफर कर सकेंगे। हालांकि, मेट्रो की गति को नहीं बढ़ाया जाएगा, बल्कि 10 स्टेशनों पर मेट्रो का स्टॉपिज खत्म कर नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच सफर का समय करीब 9 मिनट तक कम हो जाएगा। वर्तमान समय में सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन से मेट्रो डिपो तक आने जाने में औसत समय 45 मिनट 43 सेकेंड का लगता है जो घटकर 36 मिनट 9 सेकेंड हो जाएगा।

09
मिनट का समय लोगों का बचेगा

सुबह 8-11 व शाम 5-8 बजे तक 10 स्टेशनों पर नहीं रुकेगी

इसी तरह से सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन से परी चौक जाने में 37 मिनट का समय लगता है जो अब 28 मिनट 30 सेकेंड हो जाएगा। सोमवार से व्यस्त समय में जिन स्टेशनों पर मेट्रो नहीं रुकेगी, उनमें सेक्टर-50, 101, 81, 83, 143, 144, 145, 146, 147 और सेक्टर-148 मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। यहां अभी काफी कम संख्या में यात्री मिल रहे हैं। सोमवार से शुक्रवार तक व्यस्त समय में मेट्रो की फ्रीक्वेंसी 7.5 मिनट और नॉन पीक आवर में 10 मिनट होगी। शनिवार और रविवार को यह फ्रीक्वेंसी 15 मिनट की होगी। ब्यूरो

दैनिक हिंदुस्तान पेज न 07

एक्सप्रेसवे पर क्रैश बैरियर दुरुस्त होगा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने जरूरी कामों को पूरा कराने के लिए निविदाएं जारी की हैं। 38 करोड़ की 17 निविदाएं जारी की गई हैं। इसमें नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर क्रैश बैरियर की मरम्मत और सेक्टरों के काम शामिल हैं। इन कामों को दो महीने के भीतर शुरू करा दिया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के परियोजना विभाग ने शहर में आवश्यक निर्माण कराने के लिए 38.29 करोड़ रुपये के कार्यों की 17 निविदाएं जारी की हैं। समस्त औपचरिकताएं पूरी करते हुए 2 माह में कार्य शुरू करा दिए जाएंगे। जिन कामों को कराया जाना है, उसमें ग्राम रोजा याकूबपुर व ग्राम मुबारिकपुर में 6 प्रतिशत आबादी भूखण्डों का विकास कार्य शामिल है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर क्रैश बैरियर की मरम्मत की जाएगी।

ग्रेनो में भूखंड आवंटित, 90 करोड़ का निवेश होगा

योजना

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

ओपन इंडेड योजना के तहत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने गुरुवार को सेक्टर इकोटेक-10 में 12 एकड़ का औद्योगिक भूखंड आवंटित कर दिया। इससे प्राधिकरण क्षेत्र में 90 करोड़ रुपये का निवेश होगा। साथ ही 350 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। वहीं, 2000 वर्गमीटर तक 15 भूखण्डों के आवंटन के लिए ड्रा शुक्रवार को निकाला जाएगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की औद्योगिक भूखण्डों की ओपन इंडेड योजना में 2000 वर्गमीटर के 15 और 12 एकड़ का 1 भूखण्ड था। इसमें 43 लोगों ने आवेदन किया था। इसमें 2 आवेदन निरस्त कर दिए गए। गुरुवार को एसीईओ दीप चन्द्र की अध्यक्षता में आवंटन समिति ने आवेदकों का साक्षात्कार लिया। समिति ने मैसर्स राजकृपाल लंबर्स लिमिटेड को 12 एकड़ का भूखंड आवंटित कर दिया।

यह भूखंड सेक्टर इकोटेक-10 में है। इससे यहां पर 90 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसमें 350 लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे प्राधिकरण को 40 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा। समिति की बैठक में ओएसडी एसपी शुक्ला, जीएम नियोजन मीना भार्गव, जीएम वित्त एचपी वर्मा शामिल हुए। वहीं, अब 2000 वर्गमीटर तक के शेष बचे 15 भूखण्डों के लिए 40 आवेदन आए हैं। इनका आवंटन ड्रा के जरिये किया जाएगा। शुक्रवार को इसका ड्रा निकाला जाएगा।

एक साल की बैठकों पर खर्च किए 50 लाख रुपये

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक साल में अपनी बैठकों पर 50 लाख रुपये से अधिक खर्च कर दिए। वाहनों के रखरखाव पर 5.73 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सिटी पार्क में घूमने आने वालों की संख्या में कमी आई है। इस बार यहां से 7.62 लाख रुपये की आमदनी हुई है। कोरोना के चलते लोगों ने पार्क में आना बंद कर दिया था। यही कारण है कि यहां की आमदनी घटी है।

तीन गांवों में लीज बैक के मामले निपटाए

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण किसानों के लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने में जुटा है। प्राधिकरण ने तीन गांवों लीज बैक के मामले निस्तारित कर दिए। इन गांवों में 13 किसानों को लीज बैक की गई है। यमुना प्राधिकरण किसानों की जमीन लेता है। जमीन लेते समय अगर किसी नंबर में आबादी की जमीन चली जाती है तो उसे बाद में वापस किया जाता है। लीज बैक की यह प्रक्रिया किसानों के आवेदन के बाद शुरू होती है। प्राधिकरण क्षेत्र में 16 गांवों के किसानों की लीज बैक होनी है। प्राधिकरण ने इन मामलों को निपटाना शुरू कर दिया है। प्राधिकरण ने डूंगरपुर रीलखा, पचोकरा व रुस्तमपुर गांव के मामलों को निपटाया है। इन गांवों के 13 किसानों को लीज बैक की गई है। प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, बचे हुए गांवों के किसानों की लीज बैक भी जल्द की जाएगी। इसकी प्रक्रिया चल रही है।

दैनिक जागरण (एनसीआर संस्करण) पेज न 09

जेवर एयरपोर्ट के पास बनेगा एटीएस का कमांडो सेंटर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : लखनऊ के बाद अब गौतमबुद्ध नगर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के पास भी आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) का कमांडो ट्रेनिंग सेंटर और कार्यालय बनेगा। इसके लिए करीब तीन एकड़ भूमि का आवंटन कर दिया गया है। यमुना प्राधिकरण ने आइजी एटीएस के प्रस्ताव पर यह कदम बढ़ाया है। एयरपोर्ट के पास सुरक्षा के दृष्टिगत एटीएस के कमांडो सेंटर की स्थापना को बड़ा कदम माना जा रहा है।

एटीएस कार्यालय के साथ यहां आवासीय भवन बनाने की भी योजना है। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि यूपी पुलिस व एटीएस के विस्तार का काम लगातार चल रहा है। इसी कड़ी में एटीएस के कमांडो ट्रेनिंग सेंटर व कार्यालयों के लिए प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में जमीन की तलाश की जा रही है।

एयरपोर्ट के पास सुरक्षा व्यवस्था की चुनौतियों को देखते ही वहां ट्रेनिंग सेंटर खोलने पर विचार चल रहा था। बताया गया कि ट्रेनिंग सेंटर पर एसपी स्तर के अधिकारी की तैनाती किए जाने के साथ ही अन्य व्यवस्थाओं को लेकर कार्ययोजना भी बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द इसकी औपचारिक घोषणा कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक जागरण (राष्ट्रिय संस्करण) पेज न 07

निधि समर्पण

राम मंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पित करने वालों में सभी वर्ग एवं समुदाय के लोग शामिल

श्रीराम हिंदुओं और सिखों के ही नहीं, मुस्लिमों के भी

रघुवरशरण, अयोध्या

श्रीराम हिंदुओं और सिखों के ही नहीं, मुस्लिमों के भी हैं। यह सच्चाई राम मंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पण अभियान के दौरान बयां हो रही है। मंदिर के लिए निधि समर्पित करने वालों में सभी वर्ग एवं समुदाय के लोग शामिल हैं। 15 जनवरी से शुरू अभियान के दौरान अकेले अयोध्या में कई मुस्लिम मंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पित कर चुके हैं। इनमें अयोध्या निवासी प्रख्यात समाजसेवी डा. नेहाल रजा अग्रणी हैं। उन्होंने 11 हजार का चेक प्रदान किया, तो गत बुधवार को ही रामनगरी के बावन मंदिर में महंत वैदेहीवल्लभशरण के अलावा अब्दुल सलाम व अब्दुल कलाम की ओर से मंदिर निर्माण के लिए 21 हजार की राशि समर्पित की गई। फैजाबाद शहर के ही करिअप्पा मंडल निवासी डा. ताहिर शाह की पत्नी चांदनी बानो ने 11 हजार की राशि अर्पित की। लखनऊ निवासी मो. वसी हैदर ने नाका स्थित एक गेस्ट हाउस में निधि समर्पण शिविर में शिरकत कर 12 हजार की राशि समर्पित की। इससे रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव एवं विहिप के केंद्रीय उपाध्यक्ष चंपतराय अभिभूत हैं। उनकी मानें तो मुस्लिमों का यह रुख इस देश में एकता-एकात्मता की जड़ों को अभिसिंचित करने वाला है।

अयोध्या नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सरदार महेंद्र सिंह ने पांच हजार एक सौ की राशि समर्पित की। ऐतिहासिक गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड के मुख्यग्रंथी ज्ञानी गुरुजीत सिंह ने निधि समर्पित की। ज्ञानी गुरुजीत ने कहा, राममंदिर से सिखों और इस गुरुद्वारे का आत्मीय संबंध रहा है और हमारे लिए मंदिर निर्माण का क्षण अत्यंत गौरवमय है। श्रीराम से सिखों की आत्मीयता शहर के व्यवसायी सरदार सतनाम सिंह एवं मोहित सिंह जैसों से भी परिभाषित हो रही है। सतनाम सिंह ने 51 हजार, तो मोहित स्वयं 51 हजार के साथ अपने प्रतिष्ठान की ओर से 75 हजार की राशि मंदिर निर्माण के लिए अर्पित कर चुके हैं। निधि समर्पण अभियान के जिला प्रभारी अधिवक्ता धीरेश्वर वर्मा कहते हैं कि श्रीराम किसी समूह-संप्रदाय से ऊपर पूरी भारतीयता के प्रतिनिधि हैं।

मंदिर निर्माण के लिए भक्त अर्पित कर रहे समर्पण राशि

जागं, नई दिल्ली : अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए राष्ट्रीय राजधानी में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) का निधि समर्पण अभियान जोरों से चल रहा है। इसमें दिल्ली वालों की सहभागिता भी खूब दिख रही है। यहां तक कि दिल्ली में मंदिरों में आने वाले श्रद्धालु भी मंदिर निर्माण के लिए समर्पण राशि अर्पित कर रहे हैं। ऐसी ही प्रेरक पहल दिल्ली के प्रसिद्ध झंडेवाला मंदिर के सेवादारों की ओर से की गई है। यहां मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की ओर से मंदिर निर्माण के लिए समर्पित की गई 10 लाख रुपये की समर्पण निधि अभियान में जुटे कार्यकर्ताओं को सौंपी है। मंदिर के सचिव कुलभूषण आहूजा ने समर्पित निधि समर्पण अभियान के प्रांत सह प्रमुख नंदकिशोर शर्मा व कार्यालय प्रमुख सुनील रस्तोगी को भेंट की। मंदिर में मंगलवार व रविवार को सेवादारों की ओर से मंदिर में समर्पण का स्टाल लगाया जाता है। जहां मंदिर में आने वाले भक्त इच्छानुसार मंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पित कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन औसतन तीन लाख रुपये और लगभग तीन हजार परिवार मंदिर के माध्यम से निधि समर्पित कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक जागरण (राष्ट्रिय संस्करण) पेज न 09

बृजेश दुबे

brijesh.dubey@gkp.jagran.com

चौरी चौरा : मुकाम पा रहा हाशिये पर पड़ा इतिहास

ढेर सारी गाड़ियां, चाक-चौबंद व्यवस्था, लकदक करते टेंट और सामने सजा हुआ उन्नत मस्तक, गर्वित स्मारक स्तंभ, जो आज अपने होने पर इतरा रहा है। दंभ भर रहा है। करे भी क्यों न। कुछ ही वर्ष तो हुए हैं, जब पूरी साज-सज्जा के बाद भी वह उपेक्षित था। यह सवाल शहीद स्मारक का था तो वहां रहने वाले लोगों का भी। लेकिन जवाब देने के लिए कोई नहीं। अरे हां, जरा रुकिये...

रुकने के लिए इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि मूल बात हाशिये पर जा रही है। सवाल है किस स्मारक की बात हो रही। जवाब है चौरी चौरा में थाना फूंकने के आरोप में फांसी की सजा पाने वाले 19 शहीदों की स्मृति में बने शहीद स्तंभ की। दरअसल चौरी चौरा की घटना संदर्भ के रूप में इतिहास के पन्नों पर स्थान पाती रही। उसके माथे पर कलंक लगता रहा असहयोग आंदोलन को रोकने का कारण बनने का। वह आंदोलन, जिसे अंग्रेजों के लिए सबसे बड़ा हथियार माना गया। वह आंदोलन जिसे रोकने पर महात्मा गांधी का विरोध नेहरू तक ने किया था। क्या यह घटना गोरखपुर का अपराध थी, जिसे इसी शीर्षक के साथ उस दौर में एक लेख के रूप में उतारा गया था।

सवाल वाजिब भी है। जवाब तलाशने उसी दौर में चलते हैं। एक ऐसा दौर, जहां अंग्रेजों के खिलाफ 'शठे शाठ्यम् समाचरेत्' सोच का पौधा रोपित तो हो चुका था, लेकिन सिंचित नहीं हो पा रहा था। दबाई-कुचली जा रही रियाया आत्मसम्मान तलाश रही थी, जिसे आठ फरवरी 1921 को गोरखपुर में बाले मियां के मैदान में महात्मा गांधी सिर उठाने के लिए कहकर गए थे। खिलाफत और कांग्रेस कमेटियां एक होकर काम कर रही थीं। वालंटियर बनना सम्मान की बात थी। सरकार डरी थी और उसके अधिकारी जमींदारों और व्यापारियों को आंदोलन से

अतीत को समेटे हुए चौरी चौरा का शहीद स्मारक। जागरण

न जुड़ने की हिदायत दे रहे थे। ऐसे दौर में वालंटियर की कवायद (परेड) कराने वाले पूर्व सैनिक भगवान अहीर को एक फरवरी 1922 को सब इंस्पेक्टर गुप्तेश्वर सिंह ने मुंडेरा बाजार में सरे राह पीट दिया तो किसानों ने पुलिस से इसका जवाब मांगने की हिम्मत कर ली। मुंडेरा बाजार तब तीन हजार रुपये राजस्व देता था और आंदोलन उसकी कमाई पर असर डाल रहा था। चार फरवरी को वह शांति जुलूस की शक्ल में थाने पहुंचे। गुप्तेश्वर सिंह ने हाथ उठाया, किसानों ने माफी समझी। ताली बजाते हुए लौटे तो जमींदारों के कारिंदों ने अपमान बताकर उकसाया। अचानक लाठी चलने लगी। सत्याग्रहियों के हाथों में भी पत्थर आ गए। पुलिस पर हमला क्रूर शासक की मनोवृत्ति कैसे सहन करती। गोलियां चलीं और तीन सत्याग्रही शहीद हो गए। फिर किसानों ने जो प्रत्युत्तर दिया, वह इतिहास हो गया। थाना फूंक दिया। 23 पुलिसकर्मी मारे गए। अंग्रेजों ने दमन चक्र चलाया। घर तोड़ दिए गए। जमीनें जब्त कर ली गईं। सेशन कोर्ट के जज एचई होम्स ने 172 सेनानियों को फांसी की सजा सुना दी। क्रांतिकारी बाबा राघवदास के कहने पर पंडित मदन मोहन मालवीय मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट ले गए। 30 अप्रैल 1923 को मुख्य न्यायाधीश एडवर्ड ग्रीमवुड मीयर्स व सर थियोडोर पिगाट ने 19 सेनानियों को फांसी और शेष को कारावास की सजा सुनाई।

महात्मा गांधी इसे गोरखपुर का अपराध घोषित कर बारदोली कार्यसमिति में असहयोग आंदोलन वापस लेने की घोषणा कर चुके थे। वह घटना को जो क्रूर शासक की हिंसा का प्रत्युत्तर थी, हिंसक बताकर अपराध घोषित हो गई। शहीद, सेनानियों के घरवालों की सुधि नहीं ली गई। शौर्य का चौरी चौरा आजादी के बाद भी हाशिये पर रहा। छह फरवरी 1982 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने स्मारक का शिलान्यास किया तो उसके 11 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहराव ने 19 जुलाई 1993 को लोकार्पण। इसके बाद सरकारें स्मारक को भूल गईं। वर्ष 1996 में सेनानी आश्रितों को राज्य पेंशन मिलनी शुरू हुई जो उन्हीं तक सीमित रही।

फिर वर्तमान में आते है। तीन साल पहले योगी आदित्यनाथ की सरकार ने 2.70 करोड़ रुपये इस मद में जारी किए। काम शुरू हुआ और स्मारक मौजूदा स्वरूप में आया। सौ साल से जो शहीद विस्मृत थे, उनका शौर्यगान हो रहा है। दस्तावेज में दबे तथ्य बाहर निकाले जा रहे हैं। हाशिये का इतिहास असली मायने पा रहा है। शौर्य के सम्मान में मेला सज रहा है। वह भी पूरे साल चलने वाला। शहीदों के स्वजन सम्मानित हो रहे हैं। यह काफी है यह बताने के लिए कि चौरी चौरा का शहीद स्तंभ आज इतना क्यों इतरा रहा है।

दैनिक जागरण (राष्ट्रिय संस्करण) पेज न 10

उत्तर प्रदेश

नागरिक समझें अपना दायित्व

किसी भी समाज में अर्थदंड का प्रविधान लोगों को अनुशासन के दायरे में बांधने के उद्देश्य से तो किया ही जाता है, इसके पीछे यह भी मंशा होती है कि लोग अपने दायित्वों को समझें। समाज में जब नागरिक चेतना की कमी होती है, तभी सरकार को इस तरह के कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर मल-मूत्र विसर्जन, थूकने, कचरा जलाने व मिट्टी में दबाने आदि नागरिक अराजकता पर अंकुश लगाने के लिए ही उत्तर प्रदेश ठोस अपशिष्ट (प्रबंधन, संचालन एवं स्वच्छता) नियमावली 2021 की तैयारी की है और अर्थदंड का प्रविधान किया है। सरकार कचरे को जलाने व उसे मिट्टी में दबाने को लेकर अधिक गंभीर है और इस पर दो हजार रुपये जुर्माने की व्यवस्था की गई है। जनजीवन के लिए कचरा कितना बड़ा संकट है, इससे वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लगातार आगाह कराते रहे हैं, फिर भी लोगों में इसके प्रति चेतना जागृत होती नहीं दिखती। विडंबना ही है कि सार्वजनिक स्तर पर किसी के थूकने, गंदगी करने जैसे कृत्य से लोग आहत होते हैं तो उसकी आलोचना करते हैं, लेकिन खुद भी ऐसा करने से

जनजीवन के लिए कचरा बड़ा संकट है। फाइल

बाज नहीं आते। जबकि हर नागरिक का यह दायित्व होना चाहिए कि वह अपने सामाजिक कर्तव्यों को समझे और अनुपालन कर आने वाली पीढ़ी की प्रेरणा बने।

केंद्र सरकार ने जब ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2016 बनाई थी तो निकायों से उपविधि बनाने की अपेक्षा भी की थी, लेकिन बहुत कम स्थानीय निकायों ने ही इस पर काम किया। इस कारण न तो वे अपने यहां यूजर चार्ज ले सके और न ही गंदगी फैलाने वालों पर दंड लगा सके। अब जब नियमावली अस्तित्व में आएगी तो सभी 707 नगरीय निकायों में प्रभावी हो जाएगी और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने, मल-मूत्र विसर्जन पर ढाई सौ रुपये जुर्माना देना होगा। इसी तरह खाली पड़े प्लाट, मैदान या फिर पार्क में कूड़ा फेंकने पर 500 रुपये और नदी, नाले व सीवर में कूड़ा बहाने पर 750 रुपये तक अर्थ दंड देना होगा। नदियों में पूजा सामग्री प्रवाहित करना भी दंड की श्रेणी में आएगा।

हर नागरिक का यह दायित्व है कि वह अपने सामाजिक कर्तव्यों को न सिर्फ समझे, बल्कि उसका अनुपालन कर आने वाली पीढ़ी की प्रेरणा बने

दैनिक जागरण (राष्ट्रिय संस्करण) पेज न 04

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मामले में दायर चौथे वाद पर फैसला कल

जागरण संवाददाता, मथुरा

- केशव देव महाराज की ओर से सेवायत ने दायर किया है चौथा वाद
- शाही मस्जिद ईदगाह हटाकर जमीन ठाकुर केशवदेव को सौंपने की मांग

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मामले में गुरुवार को अदालत में चौथे वाद पर सुनवाई हुई। वादी पक्ष को सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित कर लिया है। इस पर छह फरवरी को फैसला सुनाया जाएगा। ठाकुर केशवदेव जी महाराज विराजमान मंदिर कटरा केशवदेव मौजा मथुरा बांगर की ओर से सेवायत पवन कुमार शास्त्री ने बुधवार को सिविल जज सीनियर डिवीजन नेहा बनौदिया अदालत में वाद दायर किया था।

सिविल जज सीनियर डिवीजन के अवकाश पर होने से एडीजे-छह देवकांत शुक्ला की अदालत में गुरुवार को मामले की सुनवाई हुई। वादी के अधिवक्ता आरएस भारद्वाज ने एक घंटे तक अपने तर्क अदालत में पेश किए। अदालत अब इस मामले में छह फरवरी को फैसला सुनाएगी। अधिवक्ता ने बताया कि अब तक जो वाद दायर किए गए थे, उनमें वादी ने भगवान श्रीकृष्ण के भक्त की हैसियत से दायर किया था, लेकिन ये पहला वाद है जिसे सेवायत की ओर से दायर किया गया है।

तीन वाद पर चल रही सुनवाई : श्रीकृष्ण जन्मस्थान मामले में पूर्व से तीन वाद दायर हैं। पहला वाद 25 सितंबर, 2020 को लखनऊ निवासी अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री समेत आठ लोगों ने दायर किया था। दूसरा वाद 15 दिसंबर, 2020 को हिंदू आर्मी चीफ मनीष यादव ने कोर्ट में दायर किया था। तीसरा वाद, अधिवक्ता महेंद्र प्रताप ने सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में दायर कर रखा है।

वादी का तर्क

पवन शास्त्री का कहना है कि शाही मस्जिद ईदगाह की 13.37 एकड़ जमीन पूर्व में ठाकुर केशवदेव की ही थी। मगर, श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ने शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट से समझौता कर लिया। ये पूरी तरह से गलत है। हम ठाकुर जी के सेवायत हैं, इसलिए मस्जिद हटाकर पूरी जमीन ठाकुर केशव देव जी महाराज को सौंपी जाए।

दैनिक जागरण (राष्ट्रिय संस्करण) पेज न 06

उत्तर प्रदेश में 30 अप्रैल तक कराएं पंचायत चुनाव : हाई कोर्ट

जासं, प्रयागराज : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उप्र में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मई तक कराने की चुनाव आयोग की मांग अस्वीकार कर ली है। कोर्ट ने आयोग को 30 अप्रैल तक पंचायत चुनाव कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को 17 मार्च तक सीटों का आरक्षण पूरा करने का भी आदेश दिया है।

सीटों का आरक्षण पूरा होने के बाद चुनाव मई तक कराने की जानकारी चुनाव आयोग ने कोर्ट को तीन फरवरी को दी थी। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-243 के तहत 13 जनवरी कार्यकाल समाप्त होने के पहले चुनाव करा लेना चाहिए था। कोर्ट ने आयोग व उप्र सरकार को समय देने की मांग अस्वीकार करते हुए सुनवाई कर आदेश देने को कहा था। कोर्ट ने 30 अप्रैल तक चुनाव कराने का निर्देश दिया है। जनता के वोट से सीधे होने वाले चुनावों के लिए यह आदेश दिया गया है। चुने हुए सदस्यों की ओर से चुनाव के संबंध में भी निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्र पंचायत के चुनाव की कार्रवाई भी 15 मई, तक पूरी की जानी है। आयोग ने तीन फरवरी को हाई कोर्ट को बताया कि 22 जनवरी को मतदाता सूची तैयार हो गई है, 28 जनवरी तक परिसीमन का काम भी पूरा कर लिया गया है, लेकिन सीटों का आरक्षण राज्य सरकार को करना है।

दैनिक अमर उजाला पेज न 12

30 अप्रैल तक पंचायत चुनाव कराएं : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग और उत्तर प्रदेश सरकार को 30 अप्रैल तक हर हाल में ग्राम पंचायत चुनाव कराने का आदेश दिया है ताकि 15 मई तक सभी पंचायतों का गठन किया जा सके। साथ ही 15 मई तक जिला पंचायत सदस्यों व ब्लॉक प्रमुखों का चुनाव कराने का भी आदेश दिया है।

पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण का काम 17 मार्च तक पूरा करने को कहा गया है। विनोद उपाध्याय की याचिका पर जस्टिस एमएन भंडारी व जस्टिस आरआर अग्रवाल की पीठ ने बृहस्पतिवार को यह आदेश दिया है। याचिका के अनुसार नियमानुसार 13 जनवरी 2021 तक पंचायत चुनाव करा लिए जाने चाहिए थे। चुनाव आयोग ने कोर्ट को बताया कि मतदाता सूची तैयार है। परिसीमन कर लिया गया है। ब्यूरो

दैनिक हिंदुस्तान पेज न 10

यूपी में पंचायत चुनाव 30 अप्रैल तक कराएं : कोर्ट

प्रयागराज | विधि संवाददाता

उत्तर प्रदेश में गांव की सरकार यानी त्रिस्तरीय पंचायत को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सख्त निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय ने राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि प्रदेश में 30 अप्रैल तक पंचायत चुनाव सम्पन्न करा लें।

यह आदेश न्यायमूर्ति एमएन भंडारी व न्यायमूर्ति आरआर आग्रवाल की खंडपीठ ने विनोद उपाध्याय की याचिका पर दिया है। अदालत ने अदालत ने 30 अप्रैल तक प्रधानी के चुनाव कराने का निर्देश देने के साथ ही मई में ब्लॉक प्रमुख का चुनाव कराने को कहा है। अदालत ने प्रदेश सरकार को पंचायत चुनाव के लिए 17 मार्च तक आरक्षण का कार्य पूरा करने के निर्देश दिया है। साथ ही अदालत ने प्रधान के चुनाव 30 अप्रैल तक, जिला पंचायत सदस्यों व ब्लॉक प्रमुखों का चुनाव 15 मई तक कराने को कहा है।

चुनाव आयोग ने प्रदेश सरकार से जवाब मांगा थाः चुनाव आयोग के कार्यक्रम पेश करने के बाद आयोग ने उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा था, जिस पर गुरुवार को सुनवाई हुई।

चुनाव आयोग ने उच्च न्यायालय में जो कार्यक्रम पेश किया था, उसमें चुनाव मई तक होने की बात कही गई थी। इस पर उच्च न्यायालय ने साफ कहा कि पंचायत चुनाव मई में कराने का उत्तर प्रदेश सरकार का प्रस्ताव प्रथमदृष्टया स्वीकार नहीं किया जा सकता।

The Hinduatan Times Pg No 11

TANDAV CASE: AMAZON OFFICIAL GETS HC RELIEF

Jitendra Sarin

letters@hindustantimes.com

PRAYAGRAJ: The Allahabad High on Thursday provided an Amazon Prime Video official interim protection from any coercive action in the case filed against the makers of the web series 'Tandav' and officials of the streaming platform for allegedly hurting religious sentiments.

The high court reserved order on the anticipatory bail application filed by Aparna Purohit, Head of India Originals, Amazon Prime Video, but said that no coercive action can be taken against her till the pronouncement of an order.

Purohit counsel argued that the web series "Was a work of fiction. There was no intention of the applicant to outrage the religious feeling of any community".

On January 19, an FIR was lodged in the Rabupura police station of Greater Noida, accusing the series of deliberately denigrated Hindu gods and goddesses.

The Hindu Pg No 05

Tandav: HC relief for Amazon official

OMAR RASHID
LUCKNOW

The Allahabad High Court on Thursday granted protection from "coercive action" to Aparna Purohit, head, India original content of Amazon, in the FIRs lodged against the makers of web series Tandav.

While reserving the order on Ms. Purohit's anticipatory bail plea, Justice Siddharth stated, "Till the pronouncement of order no coercive action shall be taken against the applicant."

An FIR was lodged in Lucknow against the makers of Amazon Prime Video's new web series on charges of hurting the religious sentiments of Hindus and promoting enmity on grounds of religion.

An FIR was also lodged in Gautam Buddha Nagar on allegations of disturbing communal amity and peace.

The political drama series has Saif Ali Khan, Dimple Kapadia, Tigmanshu Dhulia and Mohammad Zeeshan Ayyub in the cast.

Aparna Purohit, head of India originals Amazon Prime Video; Ali Abbas Zafar, director, Tandav web series; Himanshu Krishna Mehra, producer; and Gaurav Solanki, writer, were named in the FIR lodged at Hazratganj police station.

The Pioneer Pg No 05

NEW TWIST FOR AYODHYA MOSQUE

Two sisters claim ownership of land

PTI ■ LUCKNOW

Two Delhi-based sisters moved the Allahabad High Court on Wednesday claiming the ownership of the five-acre land allotted to the Uttar Pradesh Sunni Central Waqf Board for the construction of a mosque in Ayodhya in accordance with the Supreme Court verdict in the Ram Janmabhoomi-Babri Masjid case.

The petition before the Lucknow Bench of Allahabad HC was filed in the court's registry and is likely to come up for hearing on February 8.

Rani Kapoor alias Rani Baluja and Rama Rani Punjabi have said in the writ petition that their father Gyan Chandra Punjabi had come to India during partition in 1947 from Punjab and settled in Faizabad (now Ayodhya) district.

They have claimed that their father was allotted 28-acre land in Dhannipur village by the Nazul Department for five years which he continued to possess beyond that period. Later, his name was included in the revenue records, the petitioners have said.

However, his name was struck down from the records against which their father filed an appeal before the Additional Commissioner, Ayodhya, which was allowed, they have claimed.

The petition before the Lucknow Bench of Allahabad HC was filed in the court's registry and is likely to come up for hearing on February 8

The petitioners further claimed that the consolidation officer again removed their father's name from the records during consolidation proceedings.

Against the order of the consolidation officer, an appeal was preferred before the Settlement Officer of Consolidation, Sadar, Ayodhya, but without considering the said petition, the authorities have allotted five-acre of their 28-acre land to the Waqf Board for the constructing of mosque, they said.

The petitioners have demanded the authorities be restrained from transferring the land to the Sunni Waqf Board till the pendency of dispute before the settlement officer.

The State Government has allotted five-acre land to the Sunni Waqf Board in Dhannipur village for construction of mosque in compliance with Supreme Court direction on November 7, 2019 in the Ram Janmabhoomi-Babri mosque title suit.

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक अमर उजाला पेज न 09

सिपाही ने पैर से रौंदी थी गांधी टोपी, तभी भड़के थे सत्याग्रही

गौरखपुर। 4 फरवरी सन 1922 को चौरीचौरा के भोपा बाजार में एकत्रित हुए सत्याग्रहियों में से एक की गांधी टोपी को सिपाही ने पांव से रौंद दिया था। इस पर सत्याग्रही आक्रोशित हो गए और पुलिस वालों को दौड़ा लिया। पुलिसवाले भागकर थाने में छिप गए। पूरे थाने को सत्याग्रहियों ने घेर लिया। पुलिस की फायरिंग में तीन सत्याग्रही मौके पर शहीद हो गए, बाद में कुल 26 शहीद हुए। क्रांतिकारियों ने पुलिस चौकी को आग लगाकर दारोगा समेत 23 पुलिसकर्मियों को जला दिया था, जिसमें 19 लोगों को फांसी की सजा हुई थी।

क्रांतिकारियों ने पुलिस चौकी को आग लगाकर दारोगा समेत 22 पुलिसकर्मियों को जला दिया था

इन्हें फांसी : अब्दुल्ला, भगवान, विक्रम, दुदही, काली चरण, लाल मोहम्मद, लौटी, मादेव, मेघू अली, नजर अली, रघुवीर, रामलगन, रामरूप, रूदाली, सहदेव, सम्पत पुत्र मोहन, संपत, श्याम सुंदर व सीताराम को दोषी मानते हुए फांसी दी गई थी।

डरी अंग्रेजी हुकूमत ने हवाई फायरिंग पर लगा दी थी रोक

फ्लैश बैक गृह विभाग दिल्ली ने आदेश जारी कर प्रशासनिक अफसरों को हवाई फायरिंग से किया था इनकार

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। चौरीचौरा में जनविद्रोह से ब्रिटिश हुकूमत हिल उठी थी। लोगों के आक्रोश को भांपते हुए गोरखपुर के तत्कालीन कमिश्नर ने इंडिया होम दिल्ली को तार भेजकर एक कंपनी मिलिट्री भेजने की मांग की थी। वहीं सरकार के गृह विभाग दिल्ली ने सभी स्थानीय सरकारों और प्रशासन को तार भेजकर हवाई फायरिंग पर तत्काल रोक लगाने को कहा था। उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार की ओर से इससे संबंधित दस्तावेज की प्रदर्शनी चौरीचौरा में मुख्य आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

दस्तावेज के मुताबिक आठ फरवरी 1921 को गांधी जी पहली बार गोरखपुर आए। इसके बाद यहां से बड़ी संख्या में लोग उनके असहयोग आंदोलन से जुड़ने लगे। जिले के कांग्रेसी उस समय अपने को 'राष्ट्रीय कार्यकर्ता' कहते थे। आंदोलन से प्रभावित लोगों ने सरकार की शराब की दुकानों का बहिष्कार कर दिया। साथ ही अंग्रेजों को उनके राजस्व का एक प्रमुख जरिया ताड़ी (ताड़ के पेड़ से प्राप्त होने वाला रस) देना बंद कर दिया। बड़ी संख्या में लोग आयातित वस्त्रों को छोड़कर गांधी टोपी और खादी के कपड़ों का इस्तेमाल करने लगे। भारत में इस आंदोलन से उत्पन्न हुई स्थिति को संभालने के लिए ब्रिटिश सरकार ने 'प्रिंस ऑफ वेल्स' को भारत भेजा गया, लेकिन विरोध स्वरूप आंदोलन ने और गति पकड़ ली। अकेले गोरखपुर शहर से करीब 15 हजार स्वयंसेवक सूचीबद्ध हुए। इसी आंदोलन के क्रम में चर्चा में आया तत्कालीन गोरखपुर-देवरिया की कच्ची रोड पर स्थित परगना दक्षिण हवेली के टप्पा केतउली का गांव चौरीचौरा।

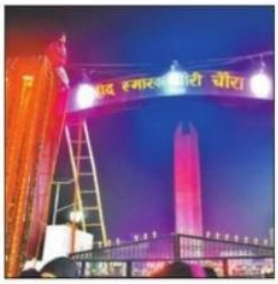

दस्तावेज की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

चौरीचौरा शताब्दी समारोह के मौके पर प्रदेश के संस्कृति विभाग के उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार की ओर से ऐतिहासिक अभिलेखों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में चौरीचौरा की घटना के संबंध में विभिन्न दस्तावेज को प्रदर्शित किया गया। इसमें चौरीचौरा की घटना के आरोपितों की कोर्ट में पेशी संबंधी समूह फोटो, गोरखपुर के कमिश्नर की ओर से गृह विभाग दिल्ली को सुप्रीटेंडेंट ऑफ पुलिस की ओर से यूपी के डीआईजी सीआईडी को भेजा गया तार है।

वंदेमातरम् गायन में यूपी ने बनाया नया विश्व रिकार्ड

लखनऊ। चौरीचौरा शताब्दी महोत्सव के तहत प्रदेश भर में राष्ट्रभावना को जागृत करने वाले अभियान के रूप में राष्ट्रगीत को गाने के मामले में उत्तर प्रदेश ने मात्र दो घंटे में ही चीन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश ने एक लाख 40 हजार से अधिक वीडियो अपलोड की जानकारी गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड को भेजी है। सैल्यूट की मुद्रा में वंदेमातरम् गायन के 20 हजार वीडियो मात्र दो घंटे में ही अपलोड हो गए थे। इतने ही वीडियो के लिए भारत से ज्यादा जनसंख्या वाले पूरे चीन को 29 दिन में मात्र 10400 वीडियो मिल पाए थे। पीपुल्स ऑफ रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने पर चीन ने दिसंबर 2019 में सैल्यूट की मुद्रा में वीडियो अपलोड का अभियान शुरू किया था।

चीन को दी मात

सभी स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों व अन्य जनता से सैल्यूट की मुद्रा में वंदे मातरम गीत गायन करते हुए 20 सेकेंड के वीडियो अपलोड कराए गए। उन्होंने बताया कि गिनीज बुक की ओर से दिए गए लिंक पर बृहस्पतिवार को सुबह 10 से 12 बजे तक 20 हजार से अधिक वीडियो अपलोड किए गए।

दैनिक अमर उजाला पेज न 07

एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर करोड़ों रुपये ठगे

सेक्टर-62 के आइथम टावर में ठगों ने खोल रखी थी प्लेसमेंट एजेंसी

अमर उजाला ब्यूरो

नोएडा। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर करीब 15 छात्र-छात्राओं से करोड़ों रुपये ठगने का मामला सामने आया है। सेक्टर-62 स्थित आइथम टावर में ठगों ने प्लेसमेंट एजेंसी खोल रखी थी। आरोपियों ने पहले फोन से छात्र-छात्राओं से संपर्क किया और फिर ऑफिस बुला लिया। दाखिले का भरोसा दिलाने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रयागराज और बांदा स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज भी ले गए। पीड़ितों ने इस मामले में पुलिस में शिकायत की है। हालांकि, अभी मामला दर्ज नहीं किया गया है।

कोतवाली सेक्टर-58 में पहुंचे महाराष्ट्र निवासी दर्शन, जालंधर निवासी मुस्कान, हरियाणा निवासी प्रदीप समेत 15 छात्र-छात्राओं ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने फोन से संपर्क कर झांसा दिया था कि वह सरकारी मेडिकल कॉलेज में दाखिला करा देंगे। इसके लिए उन्होंने अलग-अलग छात्रों से 30 लाख से 50 लाख रुपये तक ऐंठे थे। नोएडा सेक्टर-62 स्थित आइथम टावर में एक प्लेसमेंट एजेंसी का दफ्तर था। यहां काम करने वाले आदर्श, धीरेंद्र, पंकज व अन्य ने फोन करके एमबीबीएस में दाखिला दिलाने का झांसा देकर उन्हें बुलाया था।

फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी के दफ्तर में जांच करने पहुंची पुलिस टीम को ताला लगा मिला।

30 लाख से 50 लाख रुपये तक प्रत्येक छात्र से ऐंठे

प्रयागराज-बांदा तक जुड़े हैं ठगों के तार रकम लेकर थमा दिए फर्जी दाखिला लेटर

आरोपियों ने झांसा दिया था कि वह सरकारी मेडिकल कॉलेज में अलग-अलग कोटे की सीट पर दाखिला दिला सकते हैं। इसके बाद ठग उन्हें बांदा व प्रयागराज के मेडिकल कॉलेज भी ले गए। वहां पर इन लोगों की मुलाकात एक शख्स से कराई, जिसे मेडिकल कॉलेज का प्रिंसिपल बताया गया।

केंद्रीय मंत्री के नाम पर देते थे झांसा

छात्र-छात्राओं ने पुलिस को बताया कि आरोपी एक केंद्रीय मंत्री का आदमी होने की बात कहते थे और मंत्री के कोटे से दाखिला कराने का झांसा देते थे। हालांकि, यह मंत्री कौन हैं। इसके बारे में आरोपियों ने छात्र-छात्राओं से स्पष्ट नहीं बताया था। मंत्री के नाम जुड़ा होने के कारण लोग इन पर थोड़ा जल्दी विश्वास कर लेते थे।

मामले में अन्य पीड़ित छात्र-छात्राओं से संपर्क किया जा रहा है। जल्द ही पुलिस मामला दर्ज करेगी और आरोपियों को गिरफ्तार करेगी।

– रजनीश वर्मा, एसीपी टू

The Hindu Pg No 05

Keep Delhi out of 'chakka jam' on Feb. 6, Tikait tells farmers

BKU leader appeals to protesters to keep the ongoing agitation peaceful

ANUJ KUMAR
GHAZIABAD

Bhartiya Kisan Union National spokesperson Rakesh Tikait on Thursday said Delhi would be kept out of "chakka jam" on February 6.

"I appeal to my farmer brothers to keep it peaceful, distribute sweets among people during the strike and spread awareness on how harmful these laws are to the country," said Mr. Tikait.

He further appealed to the farmers to refrain from using "unparliamentary language as it is a fight for *roti*, not votes". Regarding the tweets made by activist Greta Thunberg, he said it was an ideological battle and those who agree with the farmers have come out in support.

Earlier, he said it seemed that the government wanted the farmer protest to continue. "We are constantly asking the government for talks, but they are paying no heed."

He also gave a formula for a long protest. "I appeal to every village to send one tractor with 15 people for 10 days. This cycle should continue till our demands are met," he said.

Police criticised

He also criticised Delhi Police for not allowing the Opposition MPs to reach the protest site. "MPs are the voice of democracy," he said.

In a related development, the Shamli administration denied permission for a Kisan Panchayat in Bhainswal village on Friday citing Section 144 of the CrPC.

However, the district president of Rashtriya Lok Dal, Yogendra Singh, said they were in talks with the administration and that the panchayat would be held. "We didn't ask for permission. We just sent a letter to inform them that as our vice-president Jayant Chaudhary would attend the panchayat, adequate security is provided. In reaction, the administration imposed Section 144 of CrPC."

Mr. Singh said the administration was under an impression that it was a political rally. "We clarified it is a farmers' rally, which we are just providing support. There won't be any party flags." When the District Magistrate didn't respond despite repeated attempts, Mr. Chaudhary tweeted: "144 reasons why I will go to Shamli on Friday."

The Times Of India Pg No 13

15 Oppn MPs stopped from reaching farmer protest site

It's Like Pak Border, Says Harsimrat

Abhijay.Jha@timesgroup.com

Ghaziabad: A group of 15 opposition MPs, among them former Union minister Harsimrat Kaur Badal, was on Thursday stopped from walking across the Delhi-Ghaziabad border to the farmers' agitation site at UP Gate on NH-9.

Standing near the barricades, which have been fortified with iron spikes, concertina wires and a concrete barrier built across the road, Harsimrat said it was as if protesting farmers had been imprisoned on one side of the border and opposition MPs on the other.

"I'm seeing such barricades for the first time within the country. It is impossible to meet people on the other side. Such barricading is normally seen at the border with Pakistan. I'm shocked to see it in Delhi," said Harsimrat, whose party SAD walked out of NDA last year in protest against the new farming laws. "We were stopped by police in anti-riot gear as if we are anti-nationals and terrorists. Don't we have a right to meet farmers, many of whom have come from my state," she asked.

SAD's Sukhbir Singh Badal had earlier this week visited the UP Gate site and met Rakesh Tikait, who is leading the sit-in agitation here, to extend his party's support. Harsimrat was accompanied, among others, by NCP's Supriya Sule, DMK's Kanimozhi and Trinamool's Saugata Ray.

"We were stopped from meeting protesters. Now, we are headed straight to Parliament where we will raise the issue with the Speaker," said Sule. "We wanted to see what is happening here but we were not allowed to go to the protest site," said Kanimozhi.

The MPs, including those from NC and Left parties like RSP, arrived in a bus but had to leave within 15 minutes after a heated exchange with the cops.

Anindya Chattopadhyay

(From right) SAD's Harsimrat Kaur Badal, NCP's Supriya Sule and DMK's Kanimozhi at the Ghazipur border on Thursday

We're apolitical but support welcome: SKM

New Delhi: On a day when 15 MPs from different parties tried to reach out to the protesting farmers at Ghazipur border, Sanyukta Kisan Morcha (SKM) — the umbrella body of the unions opposed to the farm laws — on Thursday reiterated its stand of being apolitical but said the support of parties to this movement was welcome, reports **Vishwa Mohan.** "The support of political parties and leaders to this movement is welcomed, but in no case SKM's stage will be allowed for political leaders," said Darshan Pal, farmer representative and one of the working group members of the Morcha.

Though it has been the stand of SKM ever since they gathered on Delhi borders, farmer leaders on condition of anonymity shared that they cannot outrightly tell politicians not to come to protest sites at a time when their support is actually needed to make the stir a pan-India movement. They also privately recognised the importance of the Left-linked farm organisation, All India Kisan Sabha, in carrying forward the agitation with the help of its ground-level cadre.

Govt invited global focus, says Pawar

Swati.Mathur@timesgroup.com

New Delhi: Former Union agriculture minister Sharad Pawar on Thursday said that while "outsiders" have no business commenting on India's internal matters, the farmers' protests have invited international attention because of the government's "mishandling" of an internal matter.

"Unfortunately, this problem is becoming an international problem. But we cannot disregard the fact that the government took no steps to resolve the issue even after so many days of protests. This resulted in reactions outside India too. This is not good for the country...: it is for the government to ensure such a situation does not arise. This is wrong on both sides," he said.

Pawar also said he was concerned that peaceful protests may turn violent. In a frontal attack on PM Modi and the Centre, he said India had not seen nails being embedded in roads to stop protests even under the British. "This government has shown no empathy and effort to hold a dialogue. The PM, despite being a few kilometres away from the protest site, has made no effort to meet representatives of farmers' unions even after over 70 days of protests."

दैनिक जागरण (राष्ट्रिय संस्करण) पेज न 04

राकेश टिकैत की टिप्पणी से उपजे विवाद को भाजपा के रणनीतिकारों ने शांत कराया

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

- अब सात फरवरी को गाजीपुर बार्डर के लिए कूच नहीं करेगा गुर्जर समाज
- योगी के आग्रह पर केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल ने बनाई सहमति

लाल किले पर उपद्रव के बाद 27 जनवरी को भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर के खिलाफ किसान नेता राकेश टिकैत की टिप्पणी से उपजे विवाद को भाजपा के रणनीतिकारों ने शांत कर दिया है। बेशक, टिकैत और भाजपा विधायक गुर्जर के तेवरों में अब भी खटास है मगर भाजपा के रणनीतिकार अपनी इस कोशिश में सफल हुए हैं कि कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दौरान कोई और मोर्चा नहीं खुले।

बता दें कि टिकैत ने 27 जनवरी को कहा था कि लोनी क्षेत्र के विधायक अपने समर्थकों के साथ किसान आंदोलन के बीच उपद्रव कराने गाजीपुर बार्डर आए थे जबकि विधायक गुर्जर का कहना है कि वे उस समय गाजीपुर बार्डर से काफी दूर थे। दोनों के बीच विवाद का आलम यह है कि नंदकिशोर के पक्ष में गुर्जर जागृति मिशन ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली में भी पंचायत करनी शुरू कर दी। गुर्जर जागृति मिशन के अध्यक्ष यतेंद्र नागर ने आह्वान किया कि पूरा गुर्जर समाज सात फरवरी को गाजीपुर बार्डर तक मार्च करेगा। गाजीपुर बार्डर पहुंचकर गुर्जर समाज धरने पर बैठे किसानों से टिकैत के बयान पर सफाई मांगना चाहता था। गुर्जर समाज के इस आह्वान से उत्तर प्रदेश शासन की नींद उड़ गई। शासन के पास रिपोर्ट थी कि यदि गुर्जर समाज गाजीपुर बार्डर पहुंचता है तो कोई भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। इस विवाद को निपटाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुर्जर समाज के सर्वमान्य नेता एवं केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर की जिम्मेदारी लगाई। कृष्णपाल ने गुरुवार को दिन भर गुर्जर समाज के प्रमुखों से चर्चा कर इस विवाद का पटाक्षेप किया। उन्होंने दिल्ली स्थित अपने आवास पर बताया कि उनका समाज किसान आंदोलन के बीच कोई जातीय टकराव नहीं चाहता। किसानों के सभी वर्गों में सदियों से आपसी भाईचारा रहा है। ऐसे में गुर्जर समाज ने सात फरवरी को गाजीपुर बार्डर मार्च का अपना आह्वान टाल दिया है।

अब धरना वापस लें टिकैत

गाजीपुर बार्डर तक कूच करने का आह्वान वापस लेने के बाद भी लोनी क्षेत्र के विधायक नंदकिशोर गुर्जर के तेवर नरम नहीं पड़े। उन्होंने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के समक्ष कहा कि समाज का फैसला वह मानेंगे, लेकिन अब राकेश टिकैत को गाजीपुर बार्डर से अपना धरना वापस ले लेना चाहिए। नंदकिशोर के अनुसार टिकैत ने 27 जनवरी को यही आरोप लगाया था कि यदि वे गाजीपुर बार्डर नहीं आते तो आंदोलन खत्म हो गया होता।

दैनिक जागरण (राष्ट्रिय संस्करण) पेज न 04

प्रियंका बोलीं- किसानों पर जुल्म कर रही है केंद्र सरकार

जागरण संवाददाता, रामपुर

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि किसानों पर बड़ा जुल्म किया जा रहा है। सरकार उनका दुख-दर्द सुनने के बजाय बदनाम करने की कोशिश कर रही है। जब तक तीनों कृषि कानून वापस नहीं लिए जाते, कांग्रेस इस आंदोलन में किसानों के साथ है। वह 26 जनवरी को दिल्ली में ट्रैक्टर से गिरकर मरे किसान के स्वजन से मुलाकात करने रामपुर के डिबडिबा गांव पहुंचीं थीं। गुरुवार को उनका अंतिम अरदास भोग कार्यक्रम था। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने कहा है कि जुल्म करना पाप है और जुल्म सहना उससे भी बड़ा पाप है। किसानों के साथ बहुत बड़ा जुल्म हो रहा है।

खुद साफ किया कार का शीशा : रास्ते में हापुड़ में गढ़मुक्तेश्वर स्थित स्याननाचौपला के निकट उनका काफिला रुका तो कार से उतरकर प्रियंका खुद गाड़ी का शीशा साफ करने लगीं। हालांकि, यह देख उनके साथ जा रहे पार्टी के कई पदाधिकारी आगे बढ़े और एक न उनसे डस्टर ले लिया और शीशा साफ करने लगे।

प्रियंका के काफिले की कार से टकराई भाजपा नेता की कार

जासं, अमरोहा : गुरुवार सुबह दिल्ली से रामपुर जा रहीं प्रियंका का काफिया जोया (अमरोहा) से गुजर रहा था। उसी बीच एक भाजपा नेता की कार आ गई। कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगाए तो पीछे आ रही प्रियंका के काफिले की दो कारें भाजपा नेता की कार से टकरा गईं। तीनों कार क्षतिग्रस्त हुईं, जिसकी सूचना पाकर जोया चौकी प्रभारी पवन पाठक पहुंचे। दोनों पक्ष बिना कार्रवाई चले गए।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र, नई दिल्ली

समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक : 05 फरवरी 2021

दैनिक नवभारत टाइम्स पेज न 12

आंदोलन को आतंक से न जोड़ें: प्रियंका

■विशेष संवाददाता, मेरठ 12

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को सरकार से अपील की है कि वह किसान आंदोलन को आतंकवाद से न जोड़े। ये किसान हैं, कोई आतंकवादी नहीं। उन्होंने सरकार पर किसानों पर जुल्म करने का आरोप भी लगाया। बोली कांग्रेस पार्टी किसान आंदोलन में शहीद होने वालों के साथ है। सरकार को देशहित में कानून वापस ले लेने चाहिए,नहीं तो आंदोलन जारी रहेगा। गणतंत्र दिवस के दिन दिल्ली में किसान ट्रैक्टर रैली के दौरान जान गंवाने वाले रामपुर के डिबडिबी गांव के युवक नवरीत सिंह की अरदास में शामिल होने आई कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार किसानों के दुख-दर्द सुनने के बजाय उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रही है।

प्रियंका गांधी रामपुर जाते समय अपनी गाड़ी का शीशा साफ करती दिखीं।

The Hindu Pg No 01+04

Priyanka attends prayer meeting

SPECIAL CORRESPONDENT
GHAZIABAD

Congress general secretary Priyanka Gandhi Vadra said on Thursday that "to oppress somebody is a sin but to bear oppression is a bigger sin". She was speaking at the final prayer meeting for Navreet Singh in Rampur village in Uttar Pradesh.

DETAILS ON ▸ PAGE 4

Priyanka Gandhi attends prayer meeting for farmer in Rampur

Navreet Singh died during Jan. 26 tractor rally in Delhi

SPECIAL CORRESPONDENT
GHAZIABAD

Invoking Sikh Guru Guru Gobind Singh, Congress general secretary Priyanka Gandhi Vadra said on Thursday "to oppress somebody is a sin but to bear oppression is a bigger sin". She was speaking at the final prayer meeting for Navreet Singh in Rampur village in Uttar Pradesh.

Singh, 24, died allegedly when his tractor overturned during the tractor rally on Republic Day in Delhi. While some media outlets have claimed, after the family of the deceased expressed doubts, that Mr. Singh's tractor overturned when he was hit by a bullet, Rampur District Magistrate (DM) Aujaneya Kumar Singh maintained that Singh's post mortem had not indicated any bullet injury.

Ms. Vadra said the country stood firm with the farmers and that the protest against the farm laws would continue till the government repealed them.

Priyanka Gandhi Vadra

Describing the ongoing farmers' protest at Delhi's borders as a "true" movement, she insisted it was not a "political" agitation.

Ms. Vadra said a farmer son's had gone from Rampur village to Delhi thinking that his woes would be heard. "That if they were united, the government would listen. The government would open doors to listen to what is there in the farmers' hearts. But it didn't happen," she said.

She promised H.S. Dibdiba, grandfather of the deceased, that his grandson's martyrdom would not go in vain. Ms. Vadra sat in the women's enclosure and interacted with the female members of the family.

She said by not repealing the farm laws, the government was doing injustice to the farmers. But the "bigger injustice", she asserted, "is when they describe martyrs [those who died during the farmer protests] as terrorists and call the farmer protest a political conspiracy against the government," she said.

'Leader of no use'

Without naming the Prime Minister, Ms. Vadra said that a leader who could not "listen to the pain of the poor and the farmers, and say that their suffering was his suffering" was "of no use".

Hundreds of people attended the 'Antim Ardas' of Singh, held at a gurudwara in the Dibdiba village of Bilaspur in Rampur district.

Rashtriya Lok Dal vice president Jayant Chaudhary and Samajwadi Party leader Ram Govind Chaudhary also addressed the prayer meeting.

The Indian Express Pg No 11

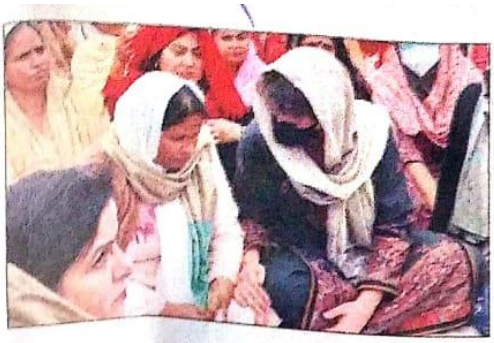

Congress general secretary Priyanka Gandhi Vadra with the family of Navreet Singh, who died during the tractor rally in Delhi on January 26, at Dibdiba village in Rampur. *Express*

Repeal farm laws, can't tolerate 'zulm' on farmers: Priyanka

EXPRESS NEWS SERVICE
LUCKNOW, FEBRUARY 4

CONGRESS GENERAL secretary Priyanka Gandhi Vadra Thursday met the family of 25-year-old Navreet Singh, who died during the tractor rally on January 26 in New Delhi, and demanded repeal of the three "black" agri laws.

Priyanka, who reached Dibdiba village in Rampur to attend Singh's prayer ceremony, slammed the BJP government "for calling farmers terrorists" and their agitation "a political conspiracy".

"The government should repeal the farm laws. This is oppression of farmers. The bigger wrong is that they call farmers terrorists; when they see the farmers' movement as a conspiracy against them. This is a very serious form of oppression. When people raise their voice, they are called all kinds of names. It is never said that you are my countrymen and your pain is my pain, and I will hear you... if a politician can't hear and feel the pain of the poor farmers, the people; if a politician can't do this, then they are not useful anymore. This is not the occasion for me to make political statements, but we can't tolerate such *zulm* (oppression) on farmers... This is not a political movement... This is your movement—the farmers, and each and every citizen of the country," Priyanka said at the gathering.

Assuring Singh's family that the Congress party would always stand with them, the 49-year-old leader said, "From my own experience, I know that a martyr's family can never forget the martyrdom... A hope remains that their loved one's martyrdom does not go waste, and I know that all of you have this hope. Navreet was 25 years old. My son is 20. You all have young sons who went to stand with the farmers there and an accident happened... Why did he go there? It was not a political conspiracy. They went there because they understood the pain of the farmers. Because Navreet knew that farmers are being oppressed," Priyanka said.

Invoking Guru Guru Gobind Singh, she said, "Guru Gobind Singhji has said facing oppression is a bigger sin than committing it. And maybe it was because of this that a youth reached Delhi from Dibdiba so that he could be a part of it."

During her visit, she was accompanied by senior Congress leaders, including state party unit chief Ajay Kumar Lallu. RLD leader and former MP Jayant Chaudhary also visited the village and met Navreet's family.

—WITH PTI

The Hinduatan Times Pg No 08

{ FARM STIR } R-DAY VIOLENCE

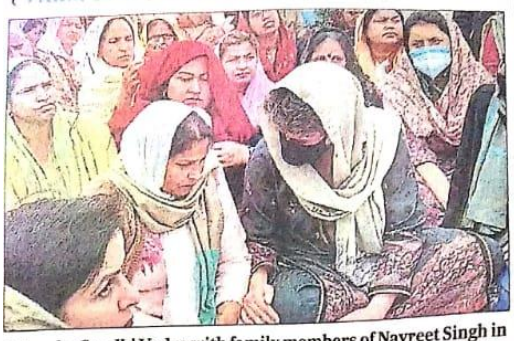

Priyanka Gandhi Vadra with family members of Navreet Singh in Uttar Pradesh's Rampur district on Thursday. PTI

Priyanka visits kin of deceased farmer

Umesh Raghuvanshi

uraghuvanshi@hindustantimes.com

LUCKNOW: Congress leader Priyanka Gandhi Vadra on Thursday urged the Bharatiya Janata Party-led central government to repeal the three new farm laws instead of calling the farmers protesting against the laws "terrorists".

"If there is any bigger wrong other than the three farm laws, which the government should take back but is not doing so, it is that martyrs are branded as terrorists and the farmers' agitation is seen as a political conspiracy," Priyanka Gandhi said.

The Congress general secretary on Thursday met the family of Navreet Singh, who died after his tractor overturned during a tractor parade on January 26 in New Delhi, and attended a prayer ceremony for him at Dibdiba village in Uttar Pradesh's Rampur district.

"I have come here to tell this family that you are not alone. Every single countryman is with you, be it of any religion, and farmers of every corner of the country are with you and we are with you," she said.

Uttar Pradesh Congress chief Ajay Kumar Lallu and Congress legislature party leader Aradhna Mishra accompanied Priyanka Gandhi on her visit to meet Navreet's family.

"Navreet was 25. My son is 20. You have young sons who went there to show their solidarity with farmers. He (Navreet) did not come back because of an incident. I want to tell Hardip Singh (Navreet's grandfather) that we will not allow the loss of your grandson go waste. This agitation will continue till these black farm laws are withdrawn," said Priyanka.

Hitting out at the Congress leader, UP BJP vice president Vijay Patha, "The BJP government is doing a lot of work to double the income of farmers and bring about an improvement in the law and order situation. She should show large heartedness and speak about good efforts of government."

"By supporting the cause of farmers, the opposition wants to target the government. It's opposition for the sake of opposition. Instead of siding with farmers, the Congress should point out the flaws in the farm laws," said SK Dwivedi, former head of department political science, Lucknow University.

READ: Vehicles in Priyanka's cavalcade collide; no injuries